भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

7 मई-13 मई 2025

jagrukjanta.net

वैशाख, पक्ष - शुक्ल, तिथि - दशमी, संवत 2082 पृष्ठ : 8+2 जयपुर, बुधवार वर्ष-11, अंक-10, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

जंग का मॉक ड्रिल आज, बजेंगे सायरन

इस ड्रिल में क्या होगा

1. हवाई हमले के वक्त चेतावनी देने वाले सायरन बजाना।
2. बचाव के लिए नागरिकों, स्टूडेंट्स को सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग दी जाएगी।
3. ब्लैकआउट यानी बिजली बंद करना, ताकि दुश्मन न देख सके।
4. हमले के वक्त प्लांट और प्रतिष्ठानों में छिपने के उपाय करना।
5. लोगों के लिए निकासी योजना बनाना, उसका अभ्यास करना।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद से भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। यहां तक कि जंग की आशंका जाहिर की जा रही है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को 7 मई यानी बुधवार को मॉक ड्रिल करने के लिए कहा है। मकसद यह है कि अगर युद्ध या ऐसे इमरजेंसी हालात बनें तो देश के नागरिकों को बचाया जा सके।

गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि देशभर में होने वाली इस मॉक ड्रिल में लोगों को जागरूक किया जाएगा कि हवाई हमला होने पर क्या करें, ब्लैक आउट (बत्ती गुल) होने...या ऐसे ही अन्य हालात पर क्या कदम उठाएं और किस तरह से अपनी सुरक्षा की जाए। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ही लोगों को जागरूक करने वाली यह मॉक ड्रिल करने को कहा गया है।

इससे पहले पंजाब के फिरोजपुर छावनी बोर्ड ने ब्लैक आउट होने की स्थिति में क्या-क्या करना चाहिए और कैसे...इस बात को लेकर रविवार रात 30 मिनट का ब्लैकआउट रिहर्सल किया था। पहलगाम हमले के तार पाकिस्तान से जुड़ने पर भारत जवाबी विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस बीच पीएम शीर्ष रक्षा अधिकारियों सहित लगातार कई बैठकें कर रहे हैं। सोमवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह भी उनसे मिले।

वॉटर 'स्ट्राइक' का असर? : जम्मू-कश्मीर के रियासी में सलाल बांध के जरिये चिनाब का पानी रोके जाने से नदी का जल स्तर गिरकर डेढ़-दो फुट पर आ गया। इस नदी का पानी भी पाकिस्तान को जाता है।

पाक की आर्थिक मदद की डोर कटेगी!

भारत अब पाकिस्तान की आर्थिक नाकाबंदी में भी जुट गया है। आयात-निर्यात पर रोक लगाने के बाद भारत ने सोमवार को एशियन डिवेलपमेंट बैंक (ADB) से कहा कि वह पाकिस्तान को जो आर्थिक मदद (फंडिंग) देता है, उसे घटाया जाए, जिससे आतंकवादियों की शरणस्थली बन चुके इस देश को सबक सिखाया जा सके। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ADB प्रेजिडेंट के साथ इटली में हुई बैठक में यह मुद्दा उठा। सूत्रों ने बताया कि भारत पड़ोसी की हरकतों को देखते हुए उसे फिर से FATF की ग्रे लिस्ट में भेजने की रणनीति भी बना रहा है, जिससे अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से उसे मदद मिलना मुश्किल हो जाए।

पूतिन की PM से बात, आतंक के खात्मे में मिला रूस का साथ

पहलगाम के गुनहगारों को सज़ा मिले: पूतिन

» जागरूक जनता @ नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। पूतिन ने मासूम लोगों की मौत पर गहरी संवेदना जताई। साथ ही, कहा कि रूस आतंकवाद के खिलाफ भारत की जंग का पूरा समर्थन करता है। पहलगाम आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए।

नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया पोस्ट में पूतिन-मोदी बातचीत की जानकारी दी। रूसी दूतावास से जारी बयान में कहा गया कि पूतिन ने आतंकवादी हमले को बर्बर करार दिया और दोनों नेताओं ने हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ 'बिना समझौता किए लड़ाई' की जरूरत पर जोर दिया। बयान में यह भी कहा गया कि रूसी राष्ट्रपति पूतिन ने इस साल भारत में होने वाले भारत-रूस शिखर सम्मेलन में शिरकत के लिए प्रधानमंत्री मोदी के न्योते को स्वीकार कर लिया है।

पूतिन 22 अप्रैल के आतंकी हमले की सबसे पहले निंदा करने वाले वैश्विक नेताओं में शामिल रहे हैं। इस आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर टूरिस्ट थे।

File Photo

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने इस साल भारत आने का न्योता कबूला।

समुद्र के अंदर निशाना बनाने का टेस्ट सफल

भारत ने स्वदेशी तकनीक से विकसित मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (MIGM) का सफल परीक्षण किया है। यह आधुनिक अंडरवॉटर माइन दुश्मन जहाजों और पनडुब्बियों को निशाना बनाने में सक्षम है। DRDO और नौसेना ने मिलकर इसका परीक्षण किया, जिसमें सीमित विस्फोटक का उपयोग हुआ। (पीटीआई)

चीन ने पाकिस्तान को दिया मदद का भरोसा

भारत से बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान में चीन के राजदूत जियांग जैदोंग सोमवार को पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मिले। दूत ने कहा कि चीन दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए पाकिस्तान का हमेशा समर्थन करेगा। बैठक के दौरान राष्ट्रपति जरदारी ने पहलगाम हमले के बाद भारत के हाल के कदमों पर चिंता जताई।

नहीं मिल रहे थे यात्री, लखनऊ से श्रीनगर की सीधी उड़ान बंद

» जागरूक जनता @ लखनऊः पहलगाम हमले के बाद यात्रियों की संख्या में आई भारी कमी के कारण लखनऊ से श्रीनगर की इकलौती सीधी फ्लाइट को इंडिगो ने अस्थायी तौर पर बंद कर दिया है। आतंकी हमले के बाद 180 सीटर फ्लाइट के लिए 50 यात्री भी नहीं मिल रहे थे। इंडिगो के मुताबिक वह जून तक सर्वे करेगी और मांग न बढ़ने पर फ्लाइट को लंबे समय के लिए स्थगित किया जा सकता है। इस फ्लाइट की शुरुआत 30 मार्च को हुई थी। हालांकि, लखनऊ से श्रीनगर के लिए रोजाना सात से आठ कनेक्टिंग फ्लाइट्स उपलब्ध हैं।

सुनते आए हैं-आतंकवादियों का धर्म नहीं होता-मगर कश्मीर में दिखा है?

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

कहते हैं और सुनते भी आए हैं कि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता। मगर कश्मीर जो हृदय विदारक नरसंहार हुआ है उसमें धर्म दिखाई नहीं दिया। धर्म पूछकर, कलमा सुनकर, यहां तक कि पेंट उतरवा कर धर्म देखा गया और तड़ातड़ गोलियों से भूंज दिया उन निहत्थे सैलानियों को, जो धर्म से हिन्दू थे। ये हत्या किस धर्म के आतंकवादियों ने की? क्या अब भी नहीं समझ आ रहा है। कहां गई ये उनकी गंगा-जमुनी तहजीब। कहां गया वो भाईचारा। कहां गई वो कश्मीरियत। इसी कश्मीर से 90 के दशक में चुन-चुनकर हिन्दुओं को मारकर भगा दिया गया था उनकी बहन-बेटियों को बेइज्जत किया गया उनका अपहरण किया गया। यहां तक कि लिखते हुए मेरे हाथ कांप रहे हैं एक अध्यापिका जो स्कूल में बच्चों को शिक्षित कर रही थी उसको धमकी दी गई। वह भागकर जम्मू चली आई। मगर उसे लगा कि घाटी में अब शांति है वह लौटकर अपने सामान को लेने कश्मीर चली गई और वहां जो उसके साथ हुआ वह दिल दहला देने वाला था। उसके साथ सामूहिक बलात्कार हुआ और बलात्कार से भी जब आतंकवादियों का जी नहीं भरा तो चलती आरा मशीन से उसके दोनों पैरों के बीच से चीर दिया गया। कितना बर्बर और जघन्य कांड उसके साथ हो गया। मगर किसी ने उस समय इसके विरोध में कुछ नहीं कहा न किया। सबको सांप सूंघ गया था। आज जब कश्मीर से धारा 370 हट चुकी है और वहां सब कुछ सामान्य होते जा रहा है। ऐसे में चुनाव कराने के बाद वहां सरकार का गठन हो गया। पिछले वर्ष 2019 से सब कुछ शांतिपूर्ण हो रहा था, मगर राज्य सरकार गठन के बाद 22 अप्रेल, 2025 को निरीह और निहत्थे सैलानियों की जघन्य हत्या कर दी गई। क्यों कर दी गई ये हत्या। है किसी के पास इसका उत्तर? नहीं है? क्योंकि इन हत्याओं की कोई वजह किसी को समझ ही नहीं आ रही होगी। समझ भी कैसे आए। ये हत्याएं राजनीतिक नहीं है। ये हत्याएं धार्मिक बर्बरता है। ये धार्मिक वैमनस्यता है। इसे कैसे दूर किया जा सकता है। देश का बंटवारा करने के बाद भी इस घृणित धार्मिक मानसिकता से मुक्ति नहीं मिल पाई है। फिर भी कोई न कोई किसी न किसी से कहीं न कहीं तो गलती हुई है। और गलती की सजा भुगतनी ही पड़ती है, मगर ये गलती किसकी है जो कश्मीर में दशकों बाद शांति की बहती बयार को जहरीली गैस में बदल दिया है। किसे दोष दें इन जघन्य हत्याओं का? आखिर कब तक चलता रहेगा ये सिलसिला। आज देश इन्हीं बर्बरताओं क कारण युद्ध के मुहाने पर खड़ा है।

shivdayalmishra@gmail.com

पी. रेणुकादेवी सीबीआई की नई डीआईजी

जयपुर @ जागरूक जनता। उत्तराखंड की

आईपीएस अफसर पी. रेणुकादेवी के जयपुर सीबीआई में आने के बाद लोगो मे राहत की उम्मीद बंधी है। आमजन की समस्या के निराकरण के प्रति वे काफी गंभीर और संवेदनशील है। कार्य को त्वरित गति से निपटाना उनकी प्राथमिकता है। इससे पहले जयपुर में हेड ऑफ ऑफिस पद पर (आईआरएस) अधिकारी अशोक कुमार जयपुर के रहने वाले है। पदोन्नति के बाद वे सीबीआई में संयुक्त निदेशक पद पर चले गए। उनके कार्यकाल में सीबीआई में कार्य बहुत सुस्त गति से चल रहा था। उम्मीद है कि रेणुका देवी के बाद आम जनों को राहत की उम्मीद है। जनसेवा के प्रति भी इनकी काफी रुचि है। कोरोना काल मे इन्होंने बेहतर काम किया जिसकी वजह से इन्हें सम्मानित भी किया गया।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करेंः-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें

ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

मर्जी का किराया नहीं ले सकेंगे ऑटो, कैब, मिनी बस, रेट लिस्ट होगी सार्वजनिक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान परिवहन विभाग करीब 12 साल बाद शहर के सार्वजनिक परिवहन सेवा के वाहनों की किराया सूची जारी करने की तैयारी कर रहा है। आरटीओ ने इसका प्रस्ताव बनाकर परिवहन विभाग को भेज दिया है। इसके तहत ऑटो, कैब, मिनी बस सहित अन्य वाहनों का किराया तय किया जाएगा।

मनमर्जी से वसूल रहे थे किराया

अभी तक वाहनों का किराया तय नहीं था। इसके कारण ऑटो, बस और मिनी बस चालक मनमर्जी से किराया वसूल रहे थे। लेकिन सूची जारी होने के बाद सार्वजनिक परिवहन सेवा के वाहनों में तय किराया ही वसूला जाएगा। इससे शहर के करीब दो लाख से अधिक यात्रियों को राहत मिलेगी। इधर, किराया सूची जारी करने के बाद ऑटो में मीटर सिस्टम को फिर से लागू किया जाएगा।

रात को किराया बढ़ा देती हैं कैब कंपनियां

जयपुर में रोज निजी पब्लिक ट्रांसपोर्ट में करीब दो लाख से अधिक यात्री सफर कर रहे हैं। इनमें सबसे अधिक यात्री कैब सेवा के वाहनों में सफर करते हैं। विभाग कैब सेवा के वाहनों का भी किराया तय करेगा। इसमें कार, बाइक और ऑटो शामिल होंगे। कैब कंपनियां रात को किराया बढ़ा देती हैं। ऐसे में यात्रियों को मजबूरी में अधिक किराया देना पड़ता है।

वार्ता के बाद प्रस्ताव तैयार

जयपुर में ऑटो, मिनी बस, कैब सेवा के वाहनों की यूनियन हैं। आरटीओ की ओर से सभी यूनियन पदाधिकारियों से वार्ता की गई है। पेट्रोल, सीएनजी की कीमत के हिसाब से किराया तय किया गया है। दरअसल, जयपुर में अधिकतर ऑटो सीएनजी से चल रहे हैं। कुछ ऑटो डीजल से भी संचालित होते हैं। 2013 में जारी की गई किराया सूची उस समय डीजल की दरों के हिसाब से तय की गई थी।

प्रीपेड टैक्सी बूथ पॉलिसी ठंडे बस्ते में

परिवहन विभाग भले ही किराया तय कर रहा है। लेकिन प्रीपेड टैक्सी बूथ पॉलिसी ठंडे बस्ते पड़ी है। इससे राजधानी के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट सहित अन्य स्थानों से यात्री सस्ता सफर नहीं कर पा रहे हैं। गत कांग्रेस सरकार में इसकी घोषणा भी की गई थी। लेकिन विभाग ने इस पॉलिसी को आगे नहीं बढ़ाया। दरअसल पॉलिसी के तहत न्यूनतम किराया तय किया जाता है।

हमने परिवहन विभाग को प्रस्ताव भेज दिया है। जल्दी प्रस्ताव पर निर्णय लेकर किराया सूची जारी कर दी जाएगी।
राजेंद्र सिंह शेखावत, आरटीओ प्रथम जयपुर

जागरूक खबरें

क्रीड़ा पदक विजेता व मृताश्रित राज्य कर्मचारियों की कम्प्यूटर टंकण गति परीक्षा 9 मई को

जयपुर @ जाकरूक जनता। जयपुर जिला जयपुर में कार्यरत क्रीड़ा पदक विजेता व मृताश्रित राज्य कर्मचारियों की नियुक्ति के पश्चात् ली जाने वाली कम्प्यूटर टंकण गति परीक्षा अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्टेऊट जयपुर शहर पूर्व एवं प्रभारी अधिकारी टंकण परीक्षा कलेक्ट्रट जयपुर द्वारा 9 मई को मदरलैण्ड प्रोगरेसिव पब्लिक स्कूल, विशा नाथ धाम, प्लाट, न. 3 निवारू रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर में आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जयपुर शहर पूर्व एवं प्रभारी अधिकारी टंकण परीक्षा कलेक्ट्रेट, जयपुर गोपाल सिंह ने बताया कि दिनांक 30 अप्रैल को उक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र पंजीकृत डाक से जारी किये जा चुके हैं। जिन परीक्षार्थियों को 07 मई तक प्रवेश पत्र प्राप्त नहीं हो तो वे दिनांक 8 मई को सायं 04:00 बजे तक कार्यालय जिला कलेक्ट्रेट, जयपुर के कमरा नम्बर 149 में संस्थापन अधिकारी कक्ष से प्रवेश पत्र की डुप्लीकेट प्रति प्राप्त कर सकते हैं।

पंडित जितेन्द्र खेड़ी अखिल भारत वर्षीय श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत

जयपुर @ जाकरूक जनता।

अखिल भारत वर्षीय श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण महासभा युवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जोशी एवं राष्ट्रीय महामंत्री राहुल गौतम ने अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार किया है। उन्होंने टोंक निवासी पंडित जितेन्द्र खेड़ी को राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत किया है। इस मौके पर पंडित जितेन्द्र खेड़ी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी एवं युवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जोशी, युवक संघ के राष्ट्रीय महामंत्री राहुल गौतम का राष्ट्रीय नेतृत्व मे टोंक जिले को स्थान देने के लिए आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही पं. जितेन्द्र खेड़ी ने कहा कि समाज हित मे कार्य करने की जो जिम्मेदारी उन्हें दी है। उसे वो पूर्ण कर्तव्य निष्ठा के साथ निभाएंगे। खेड़ी के राष्ट्रीय नेतृत्व मे मनोनयन पर समाज बंधुओं ने भी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

जयपुर मेट्रो फेज-2 की फाइनल डीपीआर तैयार

टोड़ी-सीतापुरा मार्ग पर दौड़ेगी जयपुर मेट्रो-2

43 किमी लंबा होगा रूट एयरपोर्ट टर्मिनल-3 से भी जुड़ेगी मेट्रो

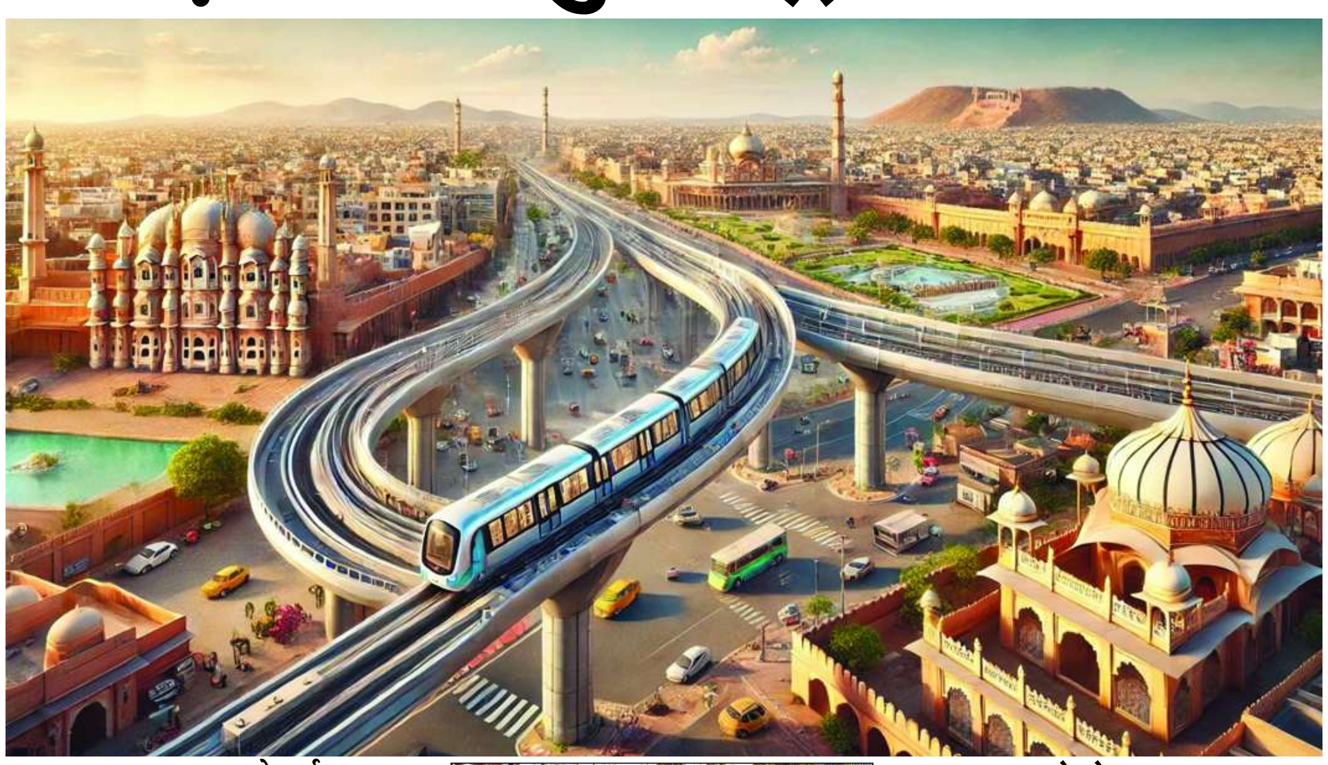

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर मेट्रो के सेकंड फेज को लेकर पिछले 15 वर्षों से लंबित रही योजना को आखिरकार मूर्त रूप मिल गया है। कांग्रेस और बीजेपी सरकारों के बीच फंसी इस परियोजना की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) अब अंतिम रूप में तैयार हो गई है। पहले सीतापुरा से अंबाबाड़ी तक प्रस्तावित यह लाइन अब बदले हुए रूट के साथ रिंग रोड से सीकर रोड होते हुए टोडी मोड़ तक जाएगी। इस परिवर्तन के बाद मेट्रो की कुल लंबाई लगभग 20 किलोमीटर और बढ़ गई है, जिससे अब यह 43 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बन गया है। यह जयपुर मेट्रो के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। 11500 करोड़ रुपए इस प्रोजेक्ट की लागत बताई गई है। मेट्रो अधिकारियों की मानें तो एक से सवा किमी के बीच एक मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित किया गया है।

डीपीआर फाइनल होने के साथ ही गवर्नमेंट हॉस्टल को क्रॉसिंग स्टेशन के रूप में चिन्हित किया गया है, जहां से एक रूट चांदपोल मेट्रो स्टेशन को जोड़ेगा, जबकि दूसरा कलेक्ट्रेट सर्किल होकर टोडी मोड़ तक जाएगा। ऐसे में

मानसरोवर और बड़ी चौपड़ की ओर जाने वाले यात्रियों को चांदपोल से दूसरी ट्रेन लेनी होगी। यात्रियों की सुविधा के लिए सर्किट हाउस के पास बनने वाले स्टेशन को एलिवेटेड कनेक्टिविटी के माध्यम से जयपुर जंक्शन से जोड़ा जाएगा ताकि पैदल सड़क पार करने की जरूरत न पड़े।

राइस कंपनी द्वारा डीपीआर को सरकार को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री ने इसमें एक-दो संशोधन सुझाए हैं, जिनमें मुख्य बदलाव मेट्रो को जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 से जोड़ने को लेकर है। इस डीपीआर को अब केंद्र सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा। कुल लागत करीब 11,500 रुपए करोड़ आंकी गई है। केंद्र से स्वीकृति और फंड जारी होने के बाद ही टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी।

ये रहेगा रूट

- सीतापुरा से पिंजरापोल गौशाला तक एलिवेटेड रूट होगा। इसके बाद गौशाला से आगे मेट्रो का कॉरिडोर भूमिगत होगा।
- सांगानेर पुलिस स्टेशन के पास टोंक रोड पर ही भूमिगत स्टेशन प्रस्तावित किया गया है। इस स्टेशन से यात्री सांगानेर एयरपोर्ट के टर्मिनल एक तक जा सकेंगे।
- इसके बाद फिर एलिवेटेड रूट पर मेट्रो दौड़ेगी। बी-टू-बाइपास चौराहे से अशोक मार्ग तक (टोंक रोड) रूट एलिवेटेड होगा।
- अशोक मार्ग से गवर्नमेंट हॉस्टल, खासाकोठी सर्कल से कलक्ट्रेट सर्कल, चिंकारा कैंटीन, पानीपेच, अंबाबाड़ी तक रूट प्रस्तावित है।
- सीकर रोड पर भवानी निकेतन शिक्षण संस्थान से हरमाड़ा और उससे आगे टोड़ी मोड़ तक मेट्रो जाएगी। सीकर रोड पर बने बीआरटीएस कॉरिडोर का उपयोग मेट्रो के लिए किया जाएगा।

20 से 25 लाख आबादी को सीधा लाभ

मेट्रो का करीब 90% कॉरिडोर एलिवेटेड होगा। इस परियोजना से जयपुर की 20 से 25 लाख आबादी को सीधा लाभ मिलेगा, जिससे शहर में आवागमन सुगम होगा और ट्रैफिक दबाव भी कम होगा। जयपुर मेट्रो का यह दूसरा चरण शहर के विकास और स्मार्ट सिटी मिशन के तहत एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

डॉ. धाकड़ के नेतृत्व में दोनों कूल्हे के जोड़ एक साथ प्रत्यारोपित करते हुए चारों जोड़ बदले

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सवाई मानसिंह चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग की चतुर्थ इकाई में सोमवार दिनांक 28 अप्रैल को रसाल देवी उम्र 62 साल जो ग्राम भरतपुरा तहसील फागी की निवासी हैं के दोनों कूल्हे के जोड़ एक साथ प्रत्यारोपित किए गए। इस ऑपरेशन के बाद उनके चारों जोड़ दोनों घुटने एवं दोनों कूल्हे के जोड़ प्रत्यारोपित हो गए हैं। सामान्यतया दोनों घुटने के जोड़ एक साथ बदले जाते हैं किंतु दोनों कूल्हे के जोड़ एक साथ बदलना चुनौतीपूर्ण है। दोनों कूल्हे के जोड़ एक साथ बदलना (बाइलेटरल हिप रिप्लेसमेंट) का यह ऑपरेशन एसएमएस हॉस्पिटल में प्रथम बार हुआ है। ऑपरेशन इकाई प्रमुख एवं वरिष्ठ आचार्य डॉ अनुराग धाकड़ के निर्देशन में किया गया। ऑपरेशन टीम में डॉ लिंगा, डॉ सुखदेव, डॉ मनीष पूनिया सम्मिलित थे। ऑपरेशन में ऐनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व डॉ श्रीफल मीणा ने किया। ऑपरेशन के बाद रोगी पूर्ण स्वस्थ है एवं रोगी ने चिकित्सकों तथा फिजियोथेरेपिस्ट तौफ़ीक़ की निगरानी में चलना प्रारंभ कर दिया है। इस ऑपरेशन के बाद सवाई मानसिंह चिकित्सालय प्रदेश का पहला ऐसा मेडिकल कॉलेज बन गया जहां मरीज़ के चारों जोड़ बदलने की शल्य चिकित्सा दो बार हो चुकी है। इससे पहले 2023 में नागौर की चूकी देवी के चारों जोड़ भी डॉ अनुराग धाकड़ के नेतृत्व में बदले गए थे। इस ऑपरेशन की सफलता के लिए सवाई मान सिंह चिकित्सालय के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ दीपक माहेश्वरी ने डॉ अनुराग धाकड़ एवं टीम को बधाई दीं।

'भारतीय चिकित्सकों ने होम्योपैथी को विशेष पहचान दिलाई'

जयपुर के डॉ. प्रवीण का जर्मनी में सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। होम्योपैथी उपचार के क्षेत्र में भारत के बढ़ते स्तर को आज दुनिया भर के लोगों ने स्वीकारा है। जर्मनी के शहर कोथेन में होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुएल हैनीमैन की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय होम्योपैथी शिखर सम्मेलन में यह बात सामने आई। बनेंट होम्योपैथी कम्पनी की ओर आयोजित कार्यक्रम में जयपुर के चिकित्सक डॉ. प्रवीण खंडेलवाल समेत कई चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर चिकित्सकों ने कैंसर समेत कई जटिल रोगों पर अपने शोध और होम्योपैथी की बढ़ती लोकप्रियता का जिक्र करते हुए भारत में होम्योपैथी के निरन्तर विकास को अंकित किया। डॉ. प्रवीण खंडेलवाल ने बताया, जर्मनी के कोथेन शहर को पारम्परिक और वैज्ञानिक होम्योपैथी का वैश्विक केंद्र माना जाता है। जो हर होम्योपैथिक चिकित्सक के लिए सपनों की जगह है। जर्मनी अगर होम्योपैथिक का जनक है तो भारत को होम्योपैथिक की माता के रूप में पहचान मिली। क्योंकि भारत के लोगों ने जिस तरह होम्योपैधिक को अपनाया और संरक्षण प्रदान किया है, वह विश्व का कोई अन्य देश अपना नहीं सका है। सभी प्रतिभागी चिकित्सकों ने डॉ. हैनीमैन के पैतृक घर और क्लिनिक का भ्रमण किया। सम्मेलन के प्रमुख अतिथियों में डॉ. लॉरी ग्रासमैन (अध्यक्ष, नेशनल सेंटर फॉर होम्योपैथी अमेरिका), प्रो. रोनाल्ड मोरी (यूके), प्रो. डॉर्ली और प्रो. लियोनी (ब्राजील), वेसना मारिनकोविक (सर्बिया) और डॉ. मार्टिन (नीदरलैंड) शामिल रहे। सम्मेलन में विशेष रूप से उपस्थित रहे इंग्लैण्ड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मॉर्गन और कोथेन के सांसद बास्टियन बर्नहागेन ने देश-विदेश के 60 चिकित्सकों को होम्योपैथी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

स्थानान्तरण बैन अवधि में एपीओ और अन्य तकनीक से रिक्त पद पर लगाने पर होगी कार्रवाई

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार के कार्मिकों के स्थानान्तरण पर 15 जनवरी,.2023 से पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। इस सम्बंध में प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग की शासन सचिव उर्मिला राजोरिया ने बताया कि इस सम्बंध में स्पष्ट किया जाता है कि स्थानान्तरण प्रतिबंध अवधि में कार्मिकों को आदेशों की प्रतीक्षा (ए.पी.ओं.) अथवा अन्य माध्यम से इच्छित जगह रिक्त पद पर पदस्थापन आदेश जारी करने को राज्य सरकार के आदेश की अवज्ञा समझा जाएगा तथा नियमानुसार कार्रवाई होगी।

जयपुर, दौसा, सवाईमाधोपुर के लाखों लोगों को मिलेगा पानी

इस मानसून होगा ईसरदा का श्रीगणेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के लिए अच्छी खबर। जयपुर, दौसा और सवाई माधोपुर के लाखों लोगों के लिए यह मानसून खुशियों की सौगात लेकर आएगा। राज्य का पहला 3.24 टीएमसी भराव क्षमता वाला हाइटेक ईसरदा बांध, जो स्वीडन की तकनीक से तैयार किया गया है, इस बार पहली बार भरने जा रहा है।

बांध का पहला चरण लगभग पूरा हो चुका है। पहले चरण में ईसरदा बांध से दौसा और सवाई माधोपुर जिलों को पेयजल आपूर्ति की जाएगी। इसके साथ ही इस बांध से रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी लिंक परियोजना) के तहत जयपुर के रियासतकालीन रामगढ़ बांध को भी भरा जाएगा। यह वही रामगढ़ बांध है, जो दशकों से सूखा पड़ा है।

बीसलपुर बांध के ओवरफ्लो होने की स्थिति में अरबों लीटर पानी व्यर्थ बंगाल की खाड़ी में नहीं जाएगा।

दूसरे चरण में रामगढ़ बांध को भरा जाएगा

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पहले चरण में बांध की भराव क्षमता 3.24 टीएमसी है। दूसरे चरण में बांध की ऊंचाई बढ़ाकर इसकी क्षमता 7.53 टीएमसी की जाएगी। इस अतिरिक्त पानी से वर्ष 2029 के बाद जयपुर का रामगढ़ बांध भरा जाएगा।

दो जिलों की सीमा पर बना है बांध

बनास नदी पर बना यह बांध दो जिलों - सवाई माधोपुर और टोंक ङ्क की सीमा पर स्थित है। बांध का एक हिस्सा सवाई माधोपुर के ईसरदा गांव में और दूसरा टोंक जिले के बनेठा क्षेत्र में है। इस मानसून में जब बांध पहली बार भरेगा, तो दौसा और सवाई माधोपुर को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

इस टीम की निगरानी में पहली बार भरेगा बांध

विजय शर्मा - अधीक्षण अभियंता
विकास गर्ग - अधिशासी अभियंता
मोहन लाल मीणा - अधिशासी अभियंता
देवानंद - अधिशासी अभियंता

बीसलपुर बांध-अब तक 7 बार ओवरफ्लो

2006 - 26	2014 - 11
2016 - 134	2019 - 93
2022 - 132	2024 - 31

बांध बहे पानी की मात्रा टीएमसी में हैं

फैक्ट फाइल

- 618 करोड़ की लागत से बना बांध।
- 420 करोड़ का मुआवजा दिया है डूब क्षेत्र के लोगों के लिए।
- 28 गेट हैं बांध के।
- 56 स्वीडिश हाइड्रोलिक सिलेंडर लगाए हैं बांध को खोलने के लिए।
- 2018 में हुआ था बांध का निर्माण कार्य।
- बांध का एक हिस्सा सवाई माधोपुर और दूसरा हिस्सा टोंक में हैं।
- बनास नदी पर बना है बांध।

राज्यपाल श्री बागडे ने ली कोटपूतली-बहरोड़ जिले की विभागीय समीक्षा बैठक

अच्छी शिक्षा, उत्तम बौद्धिक क्षमता से ही विकसित भारत की संकल्पना साकार होगी-राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक पात्र तक केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध पहुंचे, आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े, काश्तकार व पशुपालकों को योजनाओं की जानकारी देकर आमदनी में बढ़ोत्तरी कर विकास की मुख्य धारा से जोड़ें।

बागडे मंगलवार को डायकीन जापनिज इंस्टीट्यूट ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग एक्सीलेंस (DJIME) नीमराना में कोटपूतली-बहरोड़ के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। बागडे ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि शिक्षक विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें, इसी से उनका सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है। उन्होंने देश के विद्वानों का उल्लेख करते हुये कहा कि भारत विश्वगुरू रहा है, यहां के प्राचीन ग्रंथो ने विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में हजारों साल पहले ही वो ज्ञान दिया है जिसे लेकर आज के वैज्ञानिक भी चकित हैं।

उन्होंने नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए नीति के तहत 3 साल से अधिक उम्र के बच्चों का नामांकन करते हुए शिक्षा से जोड़ने को कहा। उन्होंने जिले में ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों को पुनः शिक्षा से जोड़ने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। बागडे ने मनरेगा के तहत मजदूरों को रोजगार उपलब्ध करवाते हुए सर्वांगीण विकास हेतु संवेदनशीलता से कार्य करने, वृक्षारोपण करने, ग्रामीण क्षेत्रों में खेल स्टेडियम, सामुदायिक भवन, जोहड़ आदि का निर्माण करते हुए विकास को गति देने को कहा। उन्होंने पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए जनजाति वर्ग, घुमंतू व अर्ध-घुमंतू समुदायों को पात्रता अनुसार मय शौचालय आवास उपलब्ध कराने को कहा, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत दूर-दराज तक ढाणियों व छोटी बस्तियों को सड़कों से जोड़ने, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रत्येक घर तक नल द्वारा जल पहुंचाने, कम भू- जल स्तर वाले क्षेत्रों में पीएम कृषि सिंचाई योजना से सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराने सहित पीएम कुसुम योजना व पीएम सूर्य घर योजना से अधिकाधिक लोगों को जोड़ते हुए सोलर पैनल लगाने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने शिव महापुराण कथा का किया श्रवण

सनातन धर्म का हो रहा है पुनर्जागरण-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित हो रही शिव महापुराण कथा का श्रवण किया। उन्होंने कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने शिव भगवान की आरती कर प्रदेश की खुशहाली एवं आमजन की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। शर्मा ने शिव महापुराण कथा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रोतागण को संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर की पवित्र भूमि पर भगवान शिव की महिमामयी कथा का आयोजन हो रहा है, जो कि हम सभी के लिए परम सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भगवान शिवकैलाशपति, भोलनाथ एवं विश्वनाथ के रूप में पूजे जाते हैं। ऋषि, मुनि, संत और महंत भगवान शिव के गुणों का कथा वाचन कर समाज को मार्ग दिखाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव की कृपा से ही जीवन में शांति, समृद्धि और सकारात्मकता का संचार होता है। शिव महापुराण केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक बनाने का एक दैवीय दर्शन है। उन्होंने कहा कि आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सनातन धर्म का पुनर्जागरण हो रहा है। उज्जैन में महाकाल लोक का भव्य निर्माण और वाराणसी में भगवान विश्वनाथ के कॉरिडोर का विकास इसका जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ, सोमनाथ व बद्रीनाथ का बदला हुआ स्वरूप भी सभी देख रहे हैं।इन सब से हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत भी विश्व पटल पर गौरव प्राप्त कर रही है।

खानों के माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं का ऑनलाईन अनुमोदन शुरु

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

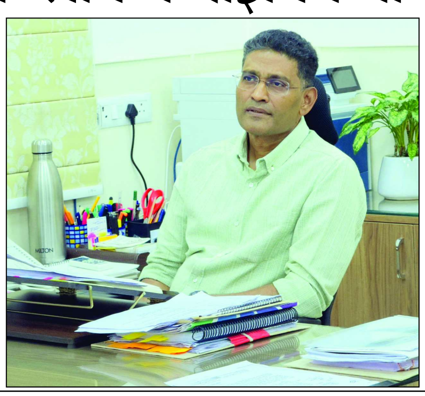

जयपुर। राज्य के खान विभाग ने खानों के माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं के ऑनलाईन अनुमोदन की प्रक्रिया शुरु कर दी है। प्रमुख सचिव माइन्स, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम श्री टी. रविकान्त ने बताया कि राज्य सरकार ने माइनिंग सेक्टर में सरलीकरण और पारदर्षी व्यवस्था की दिषा में एक कदम और बढ़ाते हुए पिछले दिनों एक मई से माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं का ऑनलाईन अनुमोदन का निर्णय किया था। उन्होंने बताया कि ऑनलाईन अनुमोदन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है और जयपुर, ब्यावर, सिरोहीए बारांए बांसवाड़ा, और चुरु में लाइमस्टोन बर्निंग, मेसेनरी स्टोन, ग्रेनाइट, लाइमस्टोन ₹ षर और क्वार्टज.फेल्सपार के माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाएं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की गई है। टी. रविकान्त ने बताया कि नई व्यवस्था से करीब 30 हजार अप्रधान खनिज लीजधारक और क्वारी लाइसेंसधारक लाभान्वित हो सकेंगे। अब उन्हें योजनाओं के अनुमोदन के लिए खनिज विभाग के कार्यालयों में चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अप्रधान खनिजों के माइनिंग लीजधारकों व क्वारी लाइसेंसधारकों को माइनिंग प्लान व माइनिंग स्कीम का अनुमोदन करवाना होता है। नियमानुसार विभाग द्वारा 90 दिवस में अनुमोदन की कार्रवाई पूरी करनी होती है पर अनुमोदन में इससे अधिक समय भी लग जाता है। निदेशक माइन्स दीपक तंवर ने बताया कि लीजधारक द्वारा माइनिंग प्लान व माइनिंग योजना के अनुमोदन के लिए ऑनलाईन आवेदन किया जाएगा। अनुमोदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाईन होने से कार्य में पारदर्षिताए समयवद्धता के साथ ही लीजधारक के समय की बचत व अनावष्यक असुविधा से राहत मिल सकेगी। ऑनलाईन व्यवस्था होने से लीजधारक अनुमोदन प्रक्रिया की प्रगति से भी अवगत हो सकेंगे और तय समयसीमा में ही अनुमोदन कार्रवाई पूरी हो सकेगी।

गहलोत साहब, बाड़ाबंदी और प्रशिक्षण शिविर में नहीं कर पा रहे अंतर- राजेंद्र राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने अशोक गहलोत के बयानों को खारिज करते हुए कहा कि गहलोत साहब बाड़ाबंदी और प्रशिक्षण में अंतर नहीं कर पा रहे है। शायद गहलोत पैरामाउंट और सूर्यमहल होटल भी भूल गए, जहां से उन्होंने 34 दिनों तक सरकार चलाई। अब सरकार चले जाने के बाद गहलोत को अपने पुराने घाव याद आ रहे है, जब षड्यंत्र करके उनकी सरकार गिराने की कोशिश की गई थी, कहीं पर निगाहें कहीं पर निशाना''। गहलोत अपने राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट से चर्चा कर लेते तो उनके पंसदीदा शब्द नकारा और निकम्मा नहीं बोलते।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि भाजपा में प्रशिक्षण प्रकोष्ठ बना हुआ है, भारतीय जनता पार्टी में प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है, जो देशभर में जिन जिन राज्यों में भाजपा सरकार है, वहां प्रशिक्षण शिविर चलते रहते है। ऐसे में गहलोत द्वारा मौज–मस्ती जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना सरासर गलत है। भजनलाल सरकार लगातार जनहित में नीतिगत फैसले कर रही है। फिर चाहे बिजली की समुचित व्यवस्था हो या फिर पानी की व्यवस्था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अल्प कार्यकाल में इस बार भीषण गर्मी के दौर में भी ना तो बिजली कटौति की जा रही है और ना ही पानी की समस्या आ रही है। यह सब हो पाया है भजनलाल सरकार की नीतियों के चलते।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि मौज–मस्ती के बारे में राहुल गांधी से सवाल पूछना चाहिए, इनके राजकुमार हर तीसरे माह में मौज मस्ती करने के लिए विदेश भ्रमण पर जाते है और विदेश में जाकर भारत के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करते है। भाजपा के प्रशिक्षण में अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा गुड गवर्नेंस के लिए और पारदर्शी शुचिता के साथ तथा नीतिगत निर्णय कैसे करें, किस प्रकार से जनप्रतिनिधि का आचरण हो, इस पर विभिन्न सत्रों में विचार–विमर्श होता है। कांग्रेस में प्रशिक्षण के नाम पर बाड़ाबंदी होती थी, केवल विमान यात्रा पर 3 करोड़ रूपए खर्च कर दिए जाते थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजनीति में सवाल पूछना एक जनप्रतिनिधि का संवैधानिक अधिकार होता है, लेकिन सवाल रिश्वत से जुड़ा हो तो कानूनी कार्रवाई के लिए जांच एजेंसियां स्वतंत्र है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेता विधायक कंवरलाल मीणा की विधायकी निरस्त करने की मांग कर रहे है, जबकि इनके मामले में उच्चतम न्यायालय से इनको स्थगन मिल गया है, ऐसे में न्यायालय के मामले में सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। प्रेसवार्ता के दौरान मंच पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और भाजपा प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज उपस्थित रहे।

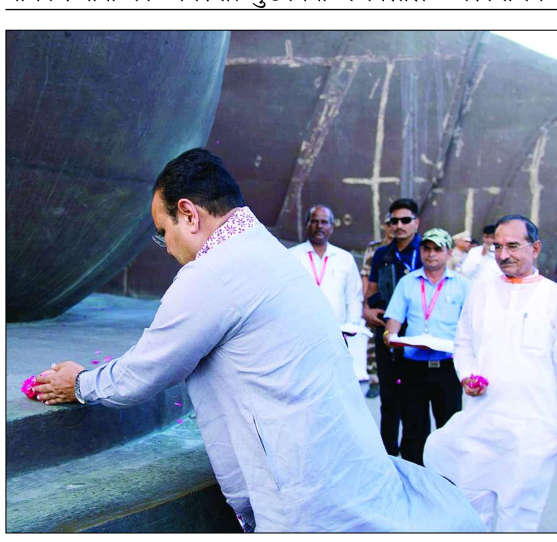

मुख्यमंत्री का गुजरात दौरा

'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' स्थल पर सरदार वल्लभभाई पटेल को दी श्रद्धांजलि

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने गुजरात प्रवास के पहले दिन सोमवार को केवड़िया में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा के साथ पावन नर्मदा नदी के तट पर स्थित मां नर्मदा के दैवीय स्वरूप के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। शर्मा ने इस दौरान मां नर्मदा से प्रदेशवासियों का जीवन सुख-समृद्धि और खुशहाली से परिपूर्ण होने की कामना की। इसके पश्चात शर्मा एवं नड्डा ने नर्मदा नदी के किनारे स्थित विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' स्थल पहुंचकर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री शर्मा ने कहा कि स्व. पटेल की यह भव्य प्रतिमा भारत के एकीकरण के महानायक के अतुलनीय साहस, दूरदर्शिता एवं राष्ट्रप्रेम का जीवंत प्रतीक है। इस दौरान केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव एवं सांसद मदन राठौड़ भी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दिल्ली-एनसीआर में पटाखे बैन

जयपुर @ जागरूक जनता। उच्चतम न्यायालय के द्वारा एस.सी. मेहता बनाम भारत संघ व अन्य के केस में दिए गए निर्णय की पालना में राज्य के गृह विभाग ने राज्य के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सम्पूर्ण वर्ष पटाखे चलाने, इसके विनिर्माण, संग्रहण, विक्रय (जिसमें ऑनलाइन विक्रय भी शामिल है) और वितरण को प्रतिबंधित कर दिया है।

नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड में भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता एवं रोकथाम पर बैठक का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के मुख्य सतर्कता अधिकारी, अमित कुमार शर्मा, वरिष्ठ IRS एवं अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी तरुण कुमार जैन (मुख्य प्रबंधक, सतर्कता) के द्वारा एनएफएल राज्य कार्यालय, जयपुर मे "भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता एवं रोकथाम" पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कंपनी के प्रति समर्पित विभिन्न जिलों के थोक विक्रेताओं एवं राज्य कार्यालय राजस्थान के अधिकारियो एवं कर्मचारियो ने भाग लिया। बैठक के दौरान अमित कुमार शर्मा, के द्वारा बैठक मे सम्मिलित एनएफएल के समस्त थोक विक्रेताओ, अधिकारियो एवं कर्मचारियो को भ्रष्टाचार उन्मूलन के बारे मे विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई ताकि भ्रष्टाचार रहित संस्थान का उद्देश्य चरितार्थ हो एवं सभी को किसी भी प्रकार की गतिविधियों मे भ्रष्टाचार न करने के लिए आदेशित किया गया। एनएफएल के समस्त थोक विक्रेताओ, अधिकारियो एवं कर्मचारियो को भ्रष्टाचार विरोधी एवं सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाई गई। उन्होंने कहा कि कोई भी थोक विक्रेता, अधिकारी एवं कर्मचारी किसी भी प्रकार की गतिविधि मे भ्रष्टाचार संदिग्ध पाया गया तो उसके खिलाफ दंडात्मक एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

लू–तापघात प्रबंधन के लिए हर जिले में दवा आपूर्ति एवं उपकरणों की क्रियाशीलता का होगा निरीक्षण, दो सदस्यीय 27 टीमों का गठन

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य में लू–तापघात की स्थितियों के दृष्टिगत दवाओं की निर्बाध एवं समुचित आपूर्ति तथा चिकित्सा उपकरणों की क्रियाशीलता को लेकर राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की ओर से ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए 27 टीमों का गठन किया गया है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेश में लू–तापघात की स्थितियों में आमजन के स्वास्थ्य को लेकर पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों की अनुपालना में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से लू–तापघात से बचाव एवं उपचार आदि के संबंध में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि राज्य में हीटवेव की सम्भावनाओं को देखते हुए ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। निगम में कार्यरत विशेषाधिकारी, समस्त कार्यकारी निदेशक, लेखाधिकारी तथा जिला औषधि भण्डार गृह के प्रभारी अधिकारी को जिलों का आवंटन कर यह निरीक्षण करवाए जाएंगे।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET Powered by JethiTech.com
SchoolMaster SCHOOL Management System Powered by JethiTech.com

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | AdWords Certified | Analytics Qualified | Facebook Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

भारत को लेकर 'उपदेशक' दृष्टिकोण नहीं रखे यूरोप

भारत ने यूरोप को आईना दिखाया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल के वर्षों में भारत के प्रति यूरोप के व्यवहार में कथनी व करनी में फर्क को रेखांकित करते हुए दो टूक कहा कि, भारत को व्यवहारिक साझेदार चाहिए, उपदेशक नहीं चाहिए। जब से रूस व यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ है तब से यूरोप भारत पर रूस को लेकर दबाव बनाता रहा है, लेकिन रूस के साथ यूरोप के संबंध में ही दोहरापन रहा है। पहलगाम आतंकी हमले पर भी यूरोप व ब्रिटेन के बयानों में निंदा से अधिक नसीहत है। आर्कटिक सर्किल इंडिया फोरम 2025 में रविवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत के साथ गहरे संबंधों के लिए यूरोप को कुछ संवेदनशीलता और पारस्परिक हितों का प्रदर्शन करना होगा। जयशंकर ने भारत व रूस के बीच यथार्थ की धरातल पर सामंजस्यपूर्ण संबंधों का उदाहरण देकर यूरोप को उसका अक्स दिखाया कि भारत को लेकर यूरोप का दृष्टिकोण व्यवहारिक होना चाहिए। यूरोप को समझना होगा कि रूस को शामिल किए बिना रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान खोजने की कोई भी कोशिश विफल ही होगी। यूरोपीस संघ (ईयू) में जर्मनी और फ्रांस बड़े देश हैं। दोनों देश भारत से रूस के खिलाफ सख्त रुख की मांग करते रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध में दोनों देशों ने भारत से रूस पर प्रतिबंध लगाने का दबाव बनाया, लेकिन भारत ने रूस के साथ यथार्थवादी रवैया रखा। ये दोनों देश ऐसे हैं, जो खुद रूस से गैस लेते रहे। वर्ष 2023 तक दोनों मुल्कों ने बेल्जियम और नीदरलैंड्स के रास्ते रूसी गैस खरीदी और भारत को रूस से तेल न लेने की नसीहत दी। जयशंकर ने यूरोप के इसी तरह के दोहरे रवैये की पोल खोली। पहलगाम हमले पर यूरोप के एक बड़े पक्ष की चुप्पी या फिर संयम बरतने की नसीहत भारत को नागवार गुजरी है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को आतंकवादियों के कायराना हमले में 26 पर्यटक समेत 27 लोग मारे गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी कश्मीर में ऑपरेशनल दरेजिसटेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली। टीआरएफ पाकिस्तान स्थित आतंकी गुट लश्करे तैयबा के छद्म गुट हैं। इसके बाद भी यूरोप की तरफ से पहलगाम आतंकी हमले की निंदा और पीड़ित भारत के प्रति समर्थन में उदारता नहीं देखी गई। यूरोपीय संघ की विदेश मामलों की नेता काजा कैलास ने 2 मई को अपने बयान में भारत और पाकिस्तान से संयम बरतने की अपील की। पहलगाम हमले के बाद ईयू के ये बयान पाकिस्तान की ओर ज्यादा झुका हुआ है। यूरोप की ये पुरानी समस्या रही है कि वह हमलावर और पीड़ित में फर्क नहीं कर पा रहा है। अगर यूरोप भारत की सुरक्षा चिंताओं की परवाह नहीं करेगा, भारत के ट्रेड हितों की अनदेखी करेगा, तो भारत यूरोप का उपदेश क्यों सुनेगा। यूरोपीय संघ से अलग ब्रिटेन ने भी यूक्रेन व रूस जंग में तटस्थ रहने पर भारत की आलोचना की थी। यूक्रेन पर हमले के बाद बोरिस जॉनसन ने भारत से रूस से रिश्ते तोड़ लेने की अपील की थी, जबकि 21वीं सदी का भारत औपनिवेशिक काल से काफी आगे निकल चुका है। भारत का स्वतंत्र व गुटनिरपेक्ष विदेश नीति है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद यूरोप खुद ही यूक्रेन युद्ध पर एक्सपोज हो चुका है। यह सही है कि यूरोप के अधिकांश देशों से दशकों से भारत के बेहतर रिश्ते हैं, पर यूक्रेन व रूस से जंग के बाद यूरोप के तेवर भारत के प्रति भूराजनीतिक परिदृश्य और वैश्विक व्यापार के नजरिये से व्यवहारिक नहीं थे। इस जंग को लेकर ट्रंप के बदले रुख से यूरोप बैकफुट पर आ गया है, वह जंग समर्थक दिख रहा है, जबकि उसे जंग को समाप्त कराने की दिशा में प्रयासरत दिखना चाहिए। यूरोप को अपनी कथनी व करनी को लेकर आत्मचिंतन करना चाहिए।

जागरूक कैरियर

कैरियर चुनने से पहले पूछिए ये चार सवाल: 'आईआईसीसी' रूल से मिलेगी दिशा और संतुलन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आज के समय में युवा वर्ग करियर को लेकर बेहद उलझन में दिखाई पड़ता है। कहीं माता-पिता की उम्मीदें, तो कहीं समाज का दबाव, तो कहीं सिर्फ पैसा कमाने की होड़ में वे उस रास्ते पर चल पड़ते हैं, जो बाद में बोझ, तनाव और अंत में उन्माद तक का कारण बन जाता है। भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने अपनी आत्मकथा Wings of Fire में स्पष्ट कहा था – "भविष्य में करियर तय करने से पहले यह देखना जरूरी है कि मेरी चाहत और मेरी काबिलियत में कितनी गहराई और सच्चाई है।" इसी सोच को मजबूत करता है एक व्यावहारिक नियम- आईआईसीसी, जो चार मजबूत स्तंभों पर टिका है:- महत्व, रूचि, योग्यता और

महत्वः कोई भी करियर चुनने से पहले यह जरूर पूछिए कि उसका समाज में वाजिब महत्त्व है या नहीं। क्या आपकी सेवा, उत्पाद या कौशल समाज की किसी मौजूदा ज़रूरत को पूरा करता है? उदाहरण के तौर पर, केवल एक महंगी गिफ्ट शॉप खोल देना

डॉ. अभिलाष मोदी
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

प्रभावशाली भले लगे, लेकिन क्या समाज को उसकी आवश्यकता है? इसलिए सबसे पहले खुद से पूछें:"क्या यह समाज और मार्केट के लिए वाकई जरूरी है?"आज अगर कोई साइबर सुरक्षा से जुड़ा स्टार्टअप शुरू करता है, जो लोगों को उनके डेटा को सुरक्षित रखने में मदद करता है, तो वह समाज की वर्तमान आवश्यकता को पूरा कर रहा है। ज़रूरी यह है कि आपका करियर समाज और उसके लोगों की सच्ची ज़रूरत से जुड़ा हो।

रुचि : कोई काम कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न हो, अगर उसमें आपकी रुचि नहीं है, तो आप उसमें खुश नहीं रह सकते। करियर कोई शॉर्ट टर्म प्रोजेक्ट नहीं है, यह आपकी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा है।

कई बार लोग केवल इसलिए डॉक्टर, सीए या इंजिनियर बन जाते हैं क्योंकि माता-पिता चाहते हैं, लेकिन उन्हें अंदर से संगीत या लेखन की ओर झुकाव होता है। परिणाम? डॉक्टर बनकर भी वह खुश नहीं होते।

रुचि का मतलब है –क्या आप उस क्षेत्र में समय बिताना पसंद करते हैं? क्या आप बिना थके उस पर काम कर सकते हैं?

अगर नहीं, तो वह करियर आपको ज्यादा दिन संतुष्टि नहीं देगा।

दूसरा 'I' - रूचि, यह तय करता है कि आप उस राह पर लंबे समय तक टिक पाएंगे या नहीं।

योग्यताः अगर किसी काम में आपकी रूचि है और वह समाज के लिए महत्वपूर्ण भी है, फिर भी जरूरी नहीं कि आप उसमें तुरंत सफल हो पाएंगे।क्या आपके पास उस काम को करने की स्किल्स हैं?

अगर नहीं, तो क्या आप उसे सीखने के लिए तैयार हैं?

मान लीजिए आप सिविल सर्विसेज़ की तैयारी करना चाहते हैं। यह न केवल समाज के लिए उपयोगी है, बल्कि आपको उसमें रुचि भी है। पर अगर आपके पास पढ़ने की आदत नहीं है, धैर्य नहीं है, और आप लंबे समय तक तैयारी नहीं कर सकते, तो आपको अपनी Competence को बढ़ाने की जरूरत है।

Competence कोई जन्मजात चीज नहीं, इसे सीखा जा सकता है – लेकिन इसके लिए तैयारी और दृढ़ निश्चय चाहिए।

तीसरा अक्षर 'C' - Competence, यह बताता है कि क्या आप वास्तव में उस क्षेत्र के लिए सक्षम हैं या नहीं।

योगदानः करियर केवल इस बात से नहीं बनता कि आप क्या ले रहे हैं – बल्कि इससे भी कि आप क्यादेरहे हैं। अगर आप समाज को कुछ लौटाने का नजरिया रखते हैं, तो वह करियर आपको हर दिन सुकून देगा।

एक टीचर जो बच्चों को पढ़ा रहा है, या एक डॉक्टर जो मरीजों की देखभाल कर रहा है, उन्हें यह संतोष होता है कि उनका काम किसी के जीवन को बेहतर बना रहा है। वहीं, जो लोग केवल पैसा कमाने या शो-ऑफ के लिए काम कर रहे होते हैं, उन्हें अंदर से खुशी नहीं मिलती।

Contribution से करियर में एक गहरी इंसानी भावना जुड़ती है – और यही भावना आपकोलंबे समय तक प्रेरितरखती है।

चौथा अक्षर 'C' - Contribution, यह करियर को सिर्फ निजी सफलता से आगे ले जाकर सामाजिक संतुलन और आत्मसंतोष की ओर ले जाता है।

निष्कर्षः अगर युवा आईआईसीसी रूल को ध्यान में रखकर अपने करियर का चयन करें – तो न केवल वे पैसे कमा सकेंगे, बल्कि संतोष, गर्व और समाज में अपनी जगह भी बना सकेंगे। वरना करियर केवल एक बोझ बन जाएगा, जहां थकान, बोरियत और पछतावा आपका पीछा नहीं छोड़ेंगे। इसलिए, कैरियर चुनते वक्त यह ज़रूर पूछिए –

"क्या मैं इससे समाज को कुछ दे रहा हूं? क्या मुझे इस काम में खुशी मिलती है? क्या मैं इसमें काबिल हूं, और क्या यह दुनिया के लिए जरूरी है?"

जवाब 'हां' है, तो आप सही रास्ते पर हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

जाति जनगणना देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विमर्श का एक महत्वपूर्ण विषय बन चुका है। यद्यपि इसके पक्ष और विपक्ष में तर्क हैं, परंतु यदि इसे निष्पक्षता, गोपनीयता और पारदर्शिता से किया जाए तो यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का एक सशक्त माध्यम बन सकता है।

जाति जनगणना के बहाने चुनावी फायदों पर नजर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्याम माथुर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जाति जनगणना से सामाजिक विभाजन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों की पहचान जातियों के आधार पर और अधिक मजबूत हो सकती है, जिससे समाज में वर्गीकरण और भेदभाव की भावना बढ़ने की आशंका है। इस तरह सामाजिक एकता और सौहार्द की भावना कमजोर हो सकती है।

क्या जाति जनगणना के केंद्र सरकार के फैसले से 'जाति' की पहचान और अधिक प्रबल हो सकती है, और इससे 'जातिवादी मानसिकता' को बल मिल सकता है? क्या यह विचार उस विचार के विरुद्ध जा सकता है जो जातिविहीन समाज की परिकल्पना करता है? जाति जनगणना के निर्णय के बाद इस तरह के सवाल जनमानस में उमड़ रहे हैं, तो निश्चित तौर पर इसके पीछे वे स्थितियां हैं, जिन्होंने देश में जातिवादी व्यवस्था को मजबूत किया है। ज्यादातर लोगों को शंका है कि राजनीतिक दल जातीय आँकड़ों का प्रयोग सिर्फ चुनावी फायदे के लिए कर सकते हैं। इससे नीति निर्माण में निष्पक्षता की बजाय जातिगत तुष्टीकरण को बढ़ावा मिल सकता है। देश में हजारों जातियाँ और उपजातियाँ हैं। इनकी सही पहचान, वर्गीकरण, और रिकॉर्डिंग अत्यंत कठिन कार्य है, जिससे आंकड़ों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठ सकते हैं।

यह बताने की शायद जरूरत नहीं है कि जातीय आँकड़े अत्यंत संवेदनशील होते हैं। यदि इनका गलत उपयोग हो या डेटा लीक हो जाए, तो सामाजिक तनाव और दंगे जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। यदि जाति आधारित जनसंख्या आँकड़े असमानता या भेदभाव को उजागर करते हैं, तो कुछ क्षेत्रों में आंदोलन, विरोध और अशांति का खतरा बढ़ सकता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि जाति पर अत्यधिक ध्यान देने से भारत जैसे विकासशील देश की ऊर्जा और संसाधन उन मुद्दों पर खर्च हो सकते हैं जो वास्तव में आर्थिक प्रगति की तुलना में कम प्राथमिकता के होने चाहिए।

जहाँ जाति जनगणना सामाजिक न्याय और नीतिगत सुधार का एक सशक्त उपकरण बन सकती है, वहीं इसके दुरुपयोग से सामाजिक तनाव, राजनीतिक लाभवाद और जातिगत विघटन जैसी चुनौतियाँ भी उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि यदि जाति जनगणना हो, तो उसे सावधानी, पारदर्शिता और उद्देश्य की स्पष्टता के साथ किया जाए।

दरअसल हमारे देश की सामाजिक संरचना में 'जाति' एक ऐसी सच्चाई है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। भारतीय समाज में जाति न केवल सामाजिक पहचान का आधार है, बल्कि यह व्यक्ति के शैक्षणिक, आर्थिक, और राजनीतिक जीवन को भी प्रभावित करती है। ऐसे में कोई ताज्जुब नहीं कि जाति जनगणना की माँग एक लंबे समय से की जा रही है, ताकि वास्तविक आँकड़ों के आधार पर नीतियाँ बनाई जा सकें और समाज में न्याय सुनिश्चित किया जा सके। जाति जनगणना का तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसमें सरकार देश की पूरी जनसंख्या की जाति से संबंधित जानकारी एकत्र करती है। वर्तमान में जनगणना के दौरान केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की ही जातीय पहचान दर्ज की जाती है, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग और सामान्य वर्ग की जातियों का कोई औपचारिक रिकॉर्ड नहीं लिया जाता। सरकार अनेक बार कह चुकी है कि सरकारी योजनाएँ, विशेष रूप से आरक्षण, शिक्षा, और आर्थिक सहायता की योजनाएँ तब तक प्रभावी नहीं हो सकतीं जब तक उनके लक्ष्य समूहों की संख्या और स्थिति का सटीक ज्ञान न हो। जाति जनगणना से यह जानकारी मिलेगी कि कौन-से वर्ग कितनी जनसंख्या में हैं और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति क्या है। कई जातियाँ सामाजिक रूप से पिछड़े होने के बावजूद सरकारी सहायता से वंचित रह जाती हैं। जाति जनगणना उनके बारे में सटीक जानकारी दे सकती है और उन्हें मुख्यधारा में लाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा, जाति से संबंधित आँकड़े सामाजिक वैज्ञानिकों, योजनाकारों और शिक्षाविदों के लिए एक अमूल्य संसाधन बन सकते हैं।

दूसरी तरफ आलोचकों का मानना है कि जाति आधारित जनगणना समाज को और अधिक जातिगत खाँचों में बाँट सकती है और आपसी द्वेष को बढ़ा सकती है। कुछ लोग इसे वोट बैंक राजनीति का उपकरण मानते हैं। वे कहते हैं कि राजनीतिक दल इन आँकड़ों का इस्तेमाल सिर्फ चुनावी लाभ के लिए करेंगे, न कि समाज सुधार के लिए। विशेषज्ञों का मानना है कि जाति जनगणना भारतीय संविधान की जातिविहीन समाज की परिकल्पना के विपरीत हो सकती है।

आजादी हासिल करने के बाद भारत ने जब साल 1951 में पहली बार जनगणना की, तो केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से जुड़े लोगों को जाति के नाम पर वर्गीकृत किया गया। तब से लेकर भारत सरकार ने एक नीतिगत फ़ैसले के तहत जातिगत जनगणना से परहेज किया और सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मसले से जुड़े मामलों में दोहराया कि कानून के हिसाब से जातिगत जनगणना नहीं की जा सकती, क्योंकि संविधान जनसंख्या को मानता है, जाति या धर्म को नहीं। हालात तब बदले जब अस्सी के दशक में कई क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का उदय हुआ, जिनकी राजनीति जाति पर आधारित थी। इन दलों ने राजनीति में तथाकथित ऊंची जातियों के वर्चस्व को चुनौती देने के साथ-साथ तथाकथित निचली जातियों को सरकारी शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में आरक्षण दिए जाने को लेकर अभियान शुरू किया।

साल 1979 में भारत सरकार ने सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी जातियों को आरक्षण देने के मसले पर मंडल कमीशन का गठन किया था। मंडल कमीशन ने ओबीसी श्रेणी के लोगों को आरक्षण देने की सिफ़ारिश की। लेकिन इस सिफ़ारिश को 1990 में ही जाकर लागू किया जा सका। इसके बाद देश भर में सामान्य श्रेणी के छात्रों ने उग्र विरोध प्रदर्शन किए।

इधर, राजनीतिक हलकों में यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि जिस मोदी सरकार ने जाति जनगणना से इनकार कर दिया था उसके सामने ऐसी क्या मजबूरी आ गई कि वो जनगणना में जातियों की गिनती कराने के लिए राजी हो गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मोदी सरकार ने जब जाति जनगणना से इनकार किया तो महागठबंधन (विपक्ष) ने इसे पूरे देश में मुद्दा बना दिया। इस बीच बिहार और कर्नाटक ने अपने-अपने तरीके से जो जाति सर्वे कराया और उससे पता चल गया कि पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों की कितनी आबादी है और उस हिसाब से राजनीति में उनकी कितनी हिस्सेदारी बन सकती है। अब मजबूरी में मोदी सरकार को जाति जनगणना कराने का फ़ैसला लेना पड़ा है।

माना जा रहा है कि मोदी सरकार के अंदर ये बदलाव जाति जनगणना को लेकर आरएसएस का नज़रिया सामने आने के बाद हुआ है। पिछले साल सितंबर में आरएसएस की एक बैठक के बाद कहा गया कि जाति जनगणना को लेकर उसे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसका राजनीतिक फ़ायदा नहीं लिया जाना चाहिए।

आत्मसंयम योग में स्थित रहें

संकलित
दर्शन

विपरीत परिस्थिति में ही योग की प्रामाणिकता सिद्ध होती है। संयम की प्रामाणिकता भी योग से ही सिद्ध होती है। हमारी ज्ञानेंद्रियां तथा कर्मेंद्रियां अपनी अर्जित शक्ति को बाहर की ओर खर्च कर रही हैं। योग द्वारा उसका एकत्रीकरण किया जाता है। योग चाहे ध्यान के रूप में हो या व्यायाम-प्राणायाम के रूप में, उसकी शक्ति को एकत्र करके हम शक्ति का उपयोग कहां करते हैं, वास्तविक योग वह है। रावण भी बहुत बड़ा योगी था, पर उसने अपने योग से प्राप्त शक्ति से भगवान की योगमाया सीता जी का हरण करके योग का दुरुपयोग किया। जब तक आत्मसंयम योग जीवन में न आ जाए, तब तक क्रियात्मक योग केवल शरीर संवर्धन के ही कार्य आएगा। हम जीवन के किसी भी क्षेत्र में अतिरेकवादी दृष्टिकोण के दुराग्रही न होकर संतुलित होकर मध्य स्थिति में रहकर आत्मसंयम योग में स्थित रहें। मध्य में ही भगवान का वास होता है। हमारे शरीर में जो मध्य प्रदेश है, वही हृदय प्रदेश है। हाथ-पांव के रूप में नीचे कर्म प्रदेश है तथा विचार के रूप में सिर में विवेक प्रदेश है। जिसे विवेक स्वीकार कर ले और कर्मयोग से जिस शक्ति को अर्जित किया हो, उसे हृदय प्रदेश के मध्य सिंहासन पर बैठाया जाता है। सब कुछ ईश्वर को समर्पित कर देना ही महायोग है। शरीर का योग यदि भगवान से जुड़कर ध्यान योग बन जाए और योग से प्राप्त शक्तियों का उपयोग हम हनुमान जी, श्रीभरत जी और श्री लक्ष्मण जी की तरह सेवा के लिए करें तो योग प्राणीमात्र की सेवा का उपादान बनकर सहजयोग बन जाएगा।

धैर्य से काम लेने में ही समझदारी है

संकलित
प्रेरणा

एक बार महात्मा बुद्ध अपने कुछ शिष्यों के साथ एक गांव में भ्रमण कर रहे थे। उन दिनों कोई वाहन नहीं हुआ करते थे सो लोग पैदल ही मीलों की यात्रा करते थे। ऐसे ही गांव में घूमते हुए काफ़ी देर हो गयी थी। बुद्ध जी को काफ़ी प्यास लगी थी। उन्होनें अपने एक शिष्य को गांव से पानी लाने की आज्ञा दी। जब वह शिष्य गांव में अंदर गया तो उसने देखा वहां एक नदी थी जहां बहुत सारे लोग कपड़े धो रहे थे कुछ लोग नहा रहे थे तो नदी का पानी काफ़ी गंदा सा दिख रहा था। शिष्य को लगा कि गुरु जी के लिए ऐसा गंदा पानी ले जाना ठीक नहीं होगा, ये सोचकर वह वापस आ गया। महात्मा बुद्ध को बहुत प्यास लगी थी इसीलिए उन्होनें फिर से दूसरे शिष्य को पानी लाने भेजा। कुछ देर बाद वह शिष्य लौटा और पानी ले आया। महात्मा बुद्ध ने शिष्य से पूछा कि नदी का पानी तो गंदा था फिर तुम साफ पानी कैसे ले आए। शिष्य बोला की प्रभु वहां नदी का पानी वास्तव में गंदा था लेकिन लोगों के जाने के बाद मैंने कुछ देर इंतजार किया। और कुछ देर बाद मिट्टी नीचे बैठ गई और साफ पानी उपर आ गया। बुद्ध यह सुनकर बड़े प्रसन्न हुए और बाकी शिष्यों को भी सीख दी कि हमारा ये जो जीवन है यह पानी की तरह है। जब तक हमारे कर्म अच्छे हैं तब तक सब कुछ शुद्ध है, लेकिन जीवन में कई बार दुख और समस्या भी आते हैं जिससे जीवन रूपी पानी गंदा लगने लगता है। कुछ लोग पहले वाले शिष्य की तरह बुराई को देख कर घबरा जाते हैं और मुसीबत देखकर वापस लौट जाते हैं, वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाते।

आखर आखर झरे उजियार

दिल से पुकारिए वो दौड़े चले आयेंगे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

ये चराचर जगत ईश्वरीय सत्ता से आच्छादित है। उस शाश्वत परम प्रभु को हृदयंगम कर निर्लिप्त भाव से संसार में विचरण करना चाहिए. सौ वसंत देखने चाहत के साथ अनासक्त भाव से जीने की कला हमारे वेद उपनिषद आदि शास्त्र सिखलाते हैं। अपने कर्म और अपनी प्राप्तियां ईश्वर को अर्पित कर कर्म बंधनों से मुक्त होते हुए आनन्दमय जीवन व्यतीत करने की कला ही यथार्थ में सर्वोपरि कला है।

ये जान लेना और समझ लेना चाहिए कि वो परमात्मा ही जड़ में सोया हुआ है और सजीव प्राणी में जागा हुआ है।

हमारे संत महात्माओं ने इस भाव भूमि को गहराई से जिया भी है। संत नामदेव के बचपन की घटना है वो खेल कर घर लौटते हैं. उनके पैर पर घाव के निशान देख कर माँ ने पूछा,ये क्या हुआ रे, पैर में चोट कैसे लग गई?

उन्होंने जबाव दिया, मां, ये चोट मेरी कुल्हाड़ी से लगी है। मां ने सोचा कि कुल्हाड़ी इसके पैर पर गिर गई होगी जिससे ये घाव हुआ लगता है। सही घटना जानने के लिए माँ क्रोधित हुई। जब उन्होंने ज्यादा पूछा तो नाम देव ने बताया कि मैंने जान बूझ कर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी से चोट मार कर ये देखना चाहा था कि वृक्षों पर प्रहार करते हैं तो उनको भी दर्द होता होगा। पेड़ भी सजीव होते हैं, जैसे प्रहार करने पर हमें पीड़ा होती है, वैसे ही उन्हें भी होती होगी। बाल्यावस्था में ही नामदेव की संवेदनशीलता देख मां ने बच्चे को मन ही मन खूब आशीष दिए। कभी कभी कोई जिज्ञासु प्रश्न करते हैं, भगवान सब जगह मौजूद है तो दर्शन क्यों नहीं देते?

ये सच है कि वो सब जगह मौजूद है और ये भी सच है कि वो सब रूपों में मौजूद है। वो पुकारने पर किसी भी रूप में उपस्थित होकर हमारी मदद कर देता है। ये जरूरी तो नहीं कि बंसी बजैया कान्हा ही आए या फिर धनुर्धर श्रीराम ही आए। कोई भी सद्भावना के साथ आपकी सहायता के लिए वक्त पर आ जाए तो हमको ये एहसास होना चाहिए कि ये उस सर्वशक्तिमान की ही लीला है। दिल से पुकारिये, वो दौड़ा चला आएगा।

करंट अफेयर

पेरू की सोने की खदान से अपहृत 13 श्रमिक मृत मिले

पेरू में सोने की प्रमुख खदान से करीब एक सप्ताह पहले अपहृत किए गए 13 सुरक्षा गार्ड के शव रविवार को बरामद किए गए। उनकी मौत ऐसे समय में हुई है, जब दक्षिण अमेरिकी देश के महत्वपूर्ण खनन उद्योग में हिंसा बढ़ गई है। पेरू के गृह मंत्रालय ने यह जानकारी दी। सोने की खदान, ला पोडेरोसा की ओर से कहा गया कि खोज और बचाव दल ने रविवार को खदान में कर्मचारियों के शव बरामद किए। कंपनी ने उनके अपहरण का आरोप अनौपचारिक खनन कर्मियों पर लगाया, जो कथित तौर पर आपराधिक गिरोहों से जुड़े थे। आरोप है कि इन खनन कर्मियों ने 26 अप्रैल को सोने की खदान पर घात लगाकर हमला किया था। पेरू के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि उसने इन जघन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए विशेष पुलिस बल तैनात किया है। पेरू की राजधानी लीमा स्थित निजी कंपनी ला पोडेरोसा ने कहा कि पेरू के सुदूर उत्तर–पश्चिमी शहर पाटाज़ में खदान पर नियंत्रण के लिए लड़ रहे आपराधिक समूहों ने 1980 में कंपनी के परिचालन शुरू करने के बाद से अब तक कंपनी के 39 श्रमिकों की हत्या कर दी है, जिनमें वर्तमान में मारे गए 13 श्रमिक भी शामिल हैं।

ऑफ बीट

क्या विटामिन डी से रोका जा सकता है कोलोरेक्टल कैंसर

कम विटामिन डी स्तर को लंबे समय से कोलोरेक्टल कैंसर होने के उच्च जोखिम से जोड़ा जाता रहा है। विटामिन डी के कम रक्त स्तर वाले लोगों में

उच्च स्तर वाले लोगों की तुलना में सीआरसी होने का जोखिम 31 प्रतिशत अधिक था। इसी तरह, एक अन्य अध्ययन में विटामिन डी युक्त आहार का सेवन करने वाले व्यक्तियों में सीआरसी जोखिम 25 प्रतिशत कम होने की बात सामने आयी। सबसे अधिक विटामिन डी का सेवन करने वाली महिलाओं में सबसे कम सेवन करने वाली महिलाओं की तुलना में कोलोरेक्टल कैंसर विकसित होने का जोखिम 58 प्रतिशत कम था। विटामिन डी सूर्य के प्रकाश की प्रतिक्रिया में त्वचा में संश्लेषित होता है और पूरे शरीर में पाए जाने वाले विटामिन डी रिसेप्टर्स (वीडीआर) के माध्यम से अपने जैविक प्रभाव डालता है, जिसमें बृहदान्त्र ऊतक भी शामिल है। सक्रिय होने पर, ये रिसेप्टर सूजन, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और कोशिका वृद्धि से संबंधित जीन गतिविधि को विनियमित करने में मदद करते हैं जो कैंसर होने की मुख्य प्रक्रियाएं होती हैं। प्रीक्लीनिकल अध्ययनों से पता चला है कि विटामिन डी (कैल्सीट्रिऑल) का सक्रिय रूप सूजन को दबा सकता है।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

औषधि– जो फलों के पक जाने पर नष्ट हो जाते हैं जैसे धान, गेहूं, चना अदि।

लता– जो किसी का आश्रय लेकर बढ़ते हैं जैस गूलर, बड़, पीपल आदि।

त्वकसार– जिनकी छाल बहुत कठोर होती है जैसे बांस आदि।

वीरुध– जो लता पृथ्वी पर ही फैलती है किंतु कठोर होन पर ूपर की ओर नहीं चढ़ सकती जैस खरबूजा, तरबूज आदि।

द्रुम– जिनमें पहले फूल आकर फिर उन फूलों के स्थान में ही फल लगते हैं, जैसे आम-जामुन आदि। इनका संचार जड़ स ऊपर की ओर होता है। इनमें प्रायः ज्ञान शक्ति प्रकट नहीं रहती। ये भीतर ही भीतर स्पर्श का अनुभव करते हैं। इनमें प्रत्येक में विशेष गुण रहता है।

8. तिर्यगयोनि (पशु पक्षी)– यह अठाईस प्रकार की मानी जाती है। इन्हें काल का ज्ञान नहीं होता। ये केवल खाना-पीना, मैथुन करना, सोना आदि ही जानते हैं। इन्हें सूंघने मात्र से वस्तुओं का ज्ञान हो जाता है। इनमें विचार शक्ति या दूरदर्शिता नहीं होती। इनमें गौ, बकरा, भैंस, कृष्ण मृग, नील गाय, रूरूमृग, भेड़, ऊंट ये दो खुर वाले पशु कहलाते हैं। गधा, घोड़ा, खच्चर, गौरमृग शरभ और चमरी ये एक खुर वाले पशु हैं। कुत्ता, गीदड़, भेड़िया, बाघ, बिलाव, खरगोश, साही, सिंह, बंदर. हाथी, कछुआ, गोह और मगर आदि पशु हैं। **क्रमशः**

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

पंचांग

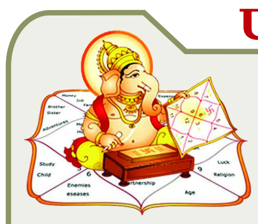

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 07/05/2025

सूर्योदय : 05:48 **सूर्यास्त :** 18:59 **चन्द्रोदय :** 14:36 **चन्द्रास्त :** 02:41 **शक सम्वत :** 1947 विश्वावसु **विक्रम संवत् :** 2082 **अमान्ता महीना :** वैशाख **पूर्णिमांत :** वैशाख **सूर्य राशि :** मेष **चन्द्र राशि :** सिंह**पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** दशमी, 10:21 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** ग्रीष्म **द्रिक-वैदिक अयन :** उत्तरायण

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी, 18:15 तक
योग : व्याघात, 25:01 तक
प्रथम करण : गारा, 10:21 तक
द्वितिय करण : वणिजा, 23:24 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:11 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:32 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:32 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:59 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:00 पी एम से
अमृत काल	11:14 ए एम से
निशिता मुहूर्त	11:56 पी एम से
रवि योग	05:36 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शनि
कुंभ चक्र: पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 05:47 - 07:26	उद्वेग : 18:58 - 20:19
अमृत	: 07:26 - 09:04	शुभ : 20:19 - 21:40
काल काल वेला	: 09:04 - 10:43	अमृत : 21:40 - 23:01
शुभ	: 10:43 - 12:22	चर: 23:01 - 00:22
रोग वार वेला	: 12:22 - 14:01	रोग : 00:22 - 01:43
उद्वेग	: 14:01 - 15:40	काल : 01:43 - 03:04
चर	: 15:40 - 17:19	लाभ : 03:04 - 04:25
लाभ	: 17:19 - 18:58	उद्वेग : 04:25 - 05:46

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज दशमी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

वैशाख, शुक्ल, दशमी, 2082 बुधवार, 07 मई - 13 मई, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर आज देशभर में सिविल डिफेंस की बड़े स्तर पर होगी मॉक ड्रिल

प्रदेश में 'मॉक ड्रिल' तीन कैटेगरी में, कोटा संवेदनशील

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर 7 मई 2025 को देशभर में सिविल डिफेंस की बड़े स्तर पर मॉक ड्रिल की जाएगी। राजस्थान के 28 स्थानों पर इस मॉक ड्रिल के तहत शाम 4 बजे अलर्ट सायरन बजेंगे और युद्ध जैसी आपातकालीन परिस्थितियों का अभ्यास किया जाएगा। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा, नागरिकों को जागरूक करना और आपदा प्रबंधन की तैयारी को परखना है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, 244 सिविल डिफेंस जिलों में यह अभ्यास एक साथ किया जाएगा। इसके दो मुख्य चरण होंगे, पहला- सेल्फ डिफेंस यूनिट की सक्रियता की समीक्षा और दूसरा- नागरिकों को प्रशिक्षण देना है।

राजस्थान में 3 श्रेणियों में बांटे जिले

बता दें, गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद राजस्थान सरकार ने मॉक ड्रिल की तैयारियों को लेकर कमर कस ली है। मुख्य सचिव सुधांश पंत शाम 4 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के अधिकारियों के साथ मॉक ड्रिल की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

1. सबसे संवेदनशील क्षेत्र

रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) - न्यूक्लियर प्लांट और यूरेनियम भंडार के कारण। **कोटा-** रावतभाटा से निकटता और सामरिक महत्ता

2. मध्यम संवेदनशील क्षेत्र

इन जिलों में थल सेना, वायुसेना और अन्य सामरिक महत्व के प्रतिष्ठान हैं। जैसे- जयपुर, अजमेर, अलवर, भरतपुर, जोधपुर, बीकानेर, सूरतगढ़, श्रीगंगानगर, जैसलमेर, उदयपुर, सीकर सहित 18 स्थान हैं।

3. कम संवेदनशील क्षेत्र

इसमें कुल 8 स्थान हैं, जहां खतरा कम लेकिन सतर्कता जरूरी मानी गई है। ये जगह फुलेरा, ब्यावर, जालौर, नागौर, पाली सहित कुल 8 स्थान हैं।

ड्रिल में क्या-क्या होगा शामिल?

» हवाई हमले के सायरन की जांच और उसके प्रति जागरूकता का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
» हमले की स्थिति में नागरिकों और छात्रों को अलर्ट करना।
» हवाई हमले के दौरान ब्लैकआउट यानी लाइट बंद करने का अभ्यास।
» दुश्मन के विमानों से बचाव के लिए संयंत्रों को ढंकने और छुपाने की ट्रेनिंग।
» हमले के संभावित स्थानों को खाली कराने का रिहर्सल।
» **नागरिक प्रशिक्षण-** प्राथमिक उपचार, टॉर्च, मोमबत्ती, मोबाइल चार्ज, गर्भवती महिलाओं, बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था, कैश अपने पास रखना (इंटरनेट बाधा की स्थिति में)
» **विभिन्न सेवाओं की त्वरित प्रतिक्रिया का मूल्यांकन -** फायर ब्रिगेड, बचाव दल, वार्डन सेवा

हमले के बाद सुरक्षा तैयारियों का परीक्षण

गौरतलब है कि मॉक ड्रिल का आयोजन ऐसे समय पर हो रहा है जब कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद भारत जवाबी कार्रवाई की रणनीति बना रहा है। इसी पृष्ठभूमि में देशभर में सिविल डिफेंस को अलर्ट पर रखा गया है। दिल्ली में गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में हाई लेवल मीटिंग में यह फैसला लिया गया, जिसमें राज्यों के मुख्य सचिव, NDRF, NDMA, DG Fire, DG Civil Defence और एयर डिफेंस से जुड़े अधिकारी शामिल हुए।

नागरिकों से अपील

प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे ड्रिल के दौरान संयम बनाए रखें, अफवाहों पर ध्यान न दें, और प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी करें। यह अभ्यास न केवल सुरक्षा बलों के लिए बल्कि हर नागरिक को आत्मनिर्भर और सजग बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत मंडपम जैसा जयपुर में बनेगा राजस्थान मंडपम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर में आयोजित 14वें ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार के प्रथम दिन देशी-विदेशी मेहमानों के सम्मान में भव्य रात्रि भोज का आयोजन किया गया। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय, राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग और फिक्की के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में पर्यटन, कला एवं संस्कृति की उत्कृष्ट झलक प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने अपने संबोधन में विदेशी मेहमानों से राजस्थान में बड़ी संख्या में आने का आह्वान करते हुए कहा, "राजस्थान केवल एक ट्रैवल मार्ट नहीं, बल्कि संभावनाओं का मंच है।

" उन्होंने कहा कि हम भारत मंडपम की तर्ज पर जल्द ही जयपुर में राजस्थान मंडपम् तैयार कर रहे हैं। इसकी भव्यता निश्चित ही राजस्थान में पर्यटन के नए आयाम स्थापित करेगी।

दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन के क्षेत्र में ढांचागत विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। नई सड़कें, हाईवे, रेलवे नेटवर्क और एयरपोर्ट का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। ग्रामीण पर्यटन, वन्य पर्यटन, और नए क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जा रही हैं।

समारोह में केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और कला मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रावती पारिदा, भारत सरकार के पर्यटन महानिदेशक सुमन बिल्ला, तथा फिक्की टूरिज्म कमेटी की मेंटर डॉ. ज्योत्ना सूरी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें अंतरराष्ट्रीय और घरेलू एमआईसीई कंपनियों के प्रतिनिधि, राज्य सरकारों के अधिकारी, टूर ऑपरेटर, प्रदर्शक और पर्यटन क्षेत्र के अन्य हितधारक शामिल थे।

इस सांस्कृतिक संध्या में राजस्थान की समृद्ध विरासत को दर्शाते हुए "पधारो म्हारे देश" की सुरमयी गूंज के साथ पारंपरिक लोकनृत्य और संगीत की प्रस्तुतियां हुई, जिसने देशी-विदेशी मेहमानों का मन मोह लिया। कार्यक्रम ने न केवल राजस्थान की अतिथि सत्कार परंपरा को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया, बल्कि राज्य को पर्यटन के वैश्विक नक्शे पर और अधिक सशक्त रूप में प्रस्तुत किया।

खून व लिवर की निशुल्क जांच शिविर आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। विशाल रक्तदान एवं चिकत्सा शिविर मे खून व लिवर की निशुल्क जांच कैंप बीते दिनों देवी नगर न्यू सांगानेर रोड जयपुर मे आयोजित किया गया, जिसमे स्थानीय निवासियों ने भरपूर लाभ लिया और रक्तदान मे काफ़ी संख्या मे रक्तवीरों ने रक्तदान किया सभी रक्तदातायो को समिति द्वारा सम्मान किया गया, समिति के डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया की यह कार्यक्रम वर्ष मे 4 बार आयोजित कर स्थानीय निवासियो को लाभ दिया जाता है। इस कार्यक्रम मै डॉ. मुकेश गुप्ता, डॉ. गोपाल वार्ष्णेय डॉ. कमलेन्द्र त्यागी, विपिन गुप्ता जयकिशन, संजय वार्ष्णेय मौजूद रहे।

वैदिक ज्योतिष के लिए कुलदीप का सम्मान

जयपुर @ जागरूक जनता। आईआईएमटी विश्वविद्यालय, मेरठ और अखिल भारतीय ज्योतिष महासंघ ने विश्वविद्यालय परिसर मेरठ में ज्योतिष समागम का आयोजन किया। इस समागम में वैदिक ज्योतिषी और केपी विशेषज्ञ इंजीनियर कुलदीप शर्मा को ज्योतिष के क्षेत्र में उनके कार्यों के लिए आईआईएमटी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) दीपा शर्मा और एआईएफएएस के अध्यक्ष डॉ. अरुण बंसल ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस समारोह में भारत के शीर्ष 65 ज्योतिषियों ने एक साथ भाग लिया। कुलदीप शर्मा ने सैकड़ों आम लोगों के लिए मुफ्त परामर्श और उपाय भी दिए।

श्रीलंका में आयोजित ग्लोबल होम्योपैथी समिट में डॉ. मुकुल शर्मा होंगे शामिल

जयपुर @ जागरूक जनता। श्रीलंका में डॉ. विजय की होम्योपैथी द्वारा 9 मई से 12 मई तक आयोजित होने वाली ग्लोबल होम्योपैथी समिट में डॉ मुकुल शर्मा विशेषज्ञ के रूप में शामिल होंगे। इस समिट में वे फैटी लिवर और पाचन रोग की बीमारियों पर अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करेंगे। डॉ. विजय फार्मासुटिकल की होम्योपैथी द्वारा आयोजित यह समिट होम्योपैथी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा, जिसमें भारत के विशेषज्ञ शामिल होंगे। डॉ. मुकुल शर्मा के अलावा भी कई अन्य विशेषज्ञ इस समिट में अपने विचार और अनुभव साझा करेंगे। डॉ. मुकुल शर्मा होम्योपैथी के क्षेत्र में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने विभिन्न सम्मेलनों और सेमिनारों में अपने अनुभव और ज्ञान को साझा किया है। इस समिट में विशेषज्ञ अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करेंगे और नवीनतम उपचारों और अनुसंधानों पर चर्चा करेंगे।

सरिस्का बाघ अभयारण्य में मंगलवार, शनिवार को दुपहिया वाहनों के प्रवेश पर रोक

अलवर @ जागरूक जनता। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य स्थित पांडूपोल हनुमान मंदिर में अब मंगलवार एवं शनिवार को श्रद्धालु दुपहिया वाहनों से नहीं जा सकेंगे। वन विभाग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि दुपहिया वाहनों को पांडूपोल जाने वाले मुख्य सदर द्वार से आगे नहीं जाने दिया जा रहा है। इससे आगे दुपहिया वाहन से जाने पर पाबंदी लगा दी गयी है। यह पाबंदी रणथम्भौर में एक बाघ द्वारा एक बालक को उठाकर ले जाने के बाद लगाई गयी है।

तीन दिवसीय खरीफ दलहन वार्षिक समूह बैठक आज से

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बुधवार से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तत्वावधान में तीन दिवसीय खरीफ दलहन वार्षिक समूह बैठक-2025 का आयोजन किया जायेगा।

अपना घर आश्रम में 250 वृद्धजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा शनिवार को अपना घर आश्रम, जामडोली जयपुर में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 250 वृद्धजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण कर उन्हें लाभान्वित किया गया। शिविर में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर से डॉ अनुपम श्रीवास्तव, डॉ मोहर पाल मीणा, डॉ. रितेश रमानी, डॉ. सुभाष यादव एवं विभाग के चिकित्सक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अपना घर आश्रम के अध्यक्ष अमिताभ कौशिक ने आश्रम में रहने वाले वृद्धजनों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए लगाए गए निशुल्क शिविर के लिये राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की टीम का आभार व्यक्त किया ओर आगे भी इसी तरह के शिविरों के आयोजन करने के साथ भरतपुर केन्द्र पर भी निशुल्क शिविर आयोजित करने का आग्रह किया। जिससे वहां की बड़ी संख्या में आमजन को आयुर्वेद के माध्यम से अपने बेहतर स्वास्थ्य का लाभ मिल सके। इस अवसर पर अपना घर आश्रम में उपस्थित सभी लोगो ने वृद्धजनों की सेवा में कार्य कर सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाने का संकल्प लिया।

शीघ्र ही मिलेगी स्पोर्ट्स क्लब की सौगात

जयपुर। महापौर डॉ सौम्या गुर्जर की अध्यक्षता में नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय के ई.सी. मीटिंग हॉल में निर्माण शाखा से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें वार्डों में किये जा रहे विकास कार्यों के सम्बन्ध में चर्चा की गई। महापौर गुर्जर द्वारा वार्डों के विकास कार्यों के संबंध में लगातार अधिकारियों के साथ बैठक कर उनकी प्रगति रिपोर्ट ली जा रही है। जिसके क्रम में महापौर द्वारा लगातार 10 दिन में चौथी समीक्षा बैठक की गई। अगली बैठक 20 मई को होगी। मालवीय नगर जोन में रवीन्द्र मंच के पास आदर्श स्पोर्ट्स क्लब बनाया जाएगा। जिसका जल्द ही शिलान्यास भी किया जाएगा। इस स्पोर्ट्स क्लब में पाँच प्रकार के खेलों के मैदान होंगे। जिसके अंतर्गत बैडमिंटन के दो खेल मैदान, टेनिस के दो खेल मैदान, बास्केटबॉल का एक खेल मैदान, क्रिकेट बॉक्स के तीन खेल मैदान, बॉलीबॉल के दो खेल मैदान बनाए जाऐंगे।

भई प्रकट कुमारी, भूमि बिदारी, जनहितकारी भयहारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। छोटी काशी की छोटी चोपड़ पर स्थित मंदिर श्री सीताराम जी में 1.30 बजते ही 51 हवाइयो के साथ यह चौपाई गूंज उठी। अवसर था माता जानकी के प्राकट्योत्सव का। वैशाख शुक्ल उदियात नवमी तिथि 6 मई 2025 मंगलवार को माता सीता का जन्मोत्सव मंदिर श्री सीताराम जी छोटी चोपड़ पर महंत नंदकिशोर जी महाराज के सानिध्यता मै बहुत ही धूम धाम से मनाया गया,पूरे मंदिर को भगवा पताकाओं और रंग बिरंगे फूलों से सजाया गया, सिर्फ आज ही के दिन श्रद्धालुओ को माता जानकी के श्री चरणों के दर्शन हुए। ऐसी मान्यता है कि माता जानकी के श्री चरणों के दर्शन मात्र से ही समस्त पाप कट जाते है और मांगी हुई मुरादे पूरी होती है। सुबह से रात्रि तक मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। प्रातः सरस प्रभात मंडल के द्वारा माता जानकी के बधाई के पद गाए गए। 11 बजे 51 किलो पंचामृत और विशेष द्रव्यों के द्वारा माता जानकी जी का अभिषेक किया गया। माता जी को लड्डुओं, ऋतु फलों और रसों का भोग लगाया गया। मंदिर सदस्य विमल शर्मा ने बताया कि 1.30 बजे माता जानकी जी की पालने में विशेष जन्म आरती उतारी गई। सारा माहौल मिथिलामय हो गया, राजा जनक और रानी सुनैना को बधाई देने वालों का तांता लग गया। भक्तों को बधाई, उछाल, पंजीरी और पंचामृत वितरित किया गया। भक्त समाजो के द्वारा बधाई गान किया गया। सायं को 7 बजे 5100 दीपक से माता जी की महा आरती हुई। महाआरती और दीपोत्सव के बाद भव्य आतिशबाजी का आयोजन हुआ।

माधव विश्वविद्यालय : निदेशक डॉ भारती देसाई ने स्पेशल विभाग के बच्चों संग मनाया जन्मदिन

आबूरोड @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय में होम्योपैथिक विभाग व अलाइड हेल्थ साइंसेज की निदेशक डॉ. भारती देसाई ने अपना जन्मदिन विवि के स्पेशल विभाग में अध्ययनरत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ सादगी और सेवा भाव से मनाया।इस अवसर पर डॉ. देसाई ने न केवल बच्चों के साथ समय बिताया, बल्कि उन्हें पाठ्यसामग्री और फलों का वितरण भी किया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को शैक्षणिक रूप से प्रोत्साहित करना और उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना था। कार्यक्रम का संचालन पृथ्वीसिंह गोयल ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के सदस्य भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस आयोजन को सराहा और डॉ. देसाई की इस मानवीय पहल की सराहना की। पृथ्वीसिंह गोयल कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और विद्यार्थियों के भीतर संवेदनशीलता और सेवा की भावना जागृत करते हैं।

राज्य सरकार के कार्मिकों के अनुरूप कैडर पुनर्गठन किये जाने के संबंध दिया ज्ञापन

जोशी आज से भूख हड़ताल पर

जोधपुर / जयपुर @ जागरूक जनता। अधीनस्थ न्यायालयों में पदस्थापित सामान्य संवर्ग और आशुलिपिक संवर्ग तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पदस्थापित सामान्य संवर्ग और आशुलिपिक संवर्ग का कैंडर पुनर्गठन राज्य सरकार की अधिसूचना दिनांक 25-5-2022 व 4-10-2022 के परिप्रेक्ष्य में किये जाने को लेकर राजस्थान कर्मचारी न्यायिक संघ ने मुख्य न्यायाधिपति को ज्ञापन प्रेषित किया है। प्रदेशाध्यक्ष सुरेन्द्र नारायण जोशी ने ज्ञापन में बताया कि उक्त अधिसूचना के परिप्रेक्ष्य में उक्त कार्मिकों के विभागाध्यक्ष माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा प्रस्ताव बनाकर और उक्त प्रस्ताव को राजस्थान उच्च न्यायालय की फुल बेंच से पास करवाकर तथा संबंधित जिला न्यायालय लिपिकवर्गीय संस्थापन नियम 1986 में भी संशोधित करवाकर दिनांक 6-05-2023 को राज्य सरकार को आदेश पारित करने हेतु भेजा जा चुका हैं। दिनांक 6-5-2023 से आज तक लगभग 2 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य सरकार द्वारा कोई आदेश पारित नहीं किये है और राज्य सरकार राजस्थान उच्च न्यायालय की पूर्णपीठ से पारित आदेश / प्रस्ताव की पालना सुनिश्चित नहीं कर रही है, जो कि संवैधानिक संस्था के आदेशों की अवज्ञा / अवहेलना है। हम यह भली भाँति समझते हैं कि हमारी सेवा का न्यायिक नियंत्रण उच्च न्यायालय के अधीन है और वित्तीय प्रशासनिक नियंत्रण राज्य राजस्थान सरकार के अधीन है। ऐसे में हमारी सेवा संबंधी संरचना का कोई भी निर्णय- विशेषतः पुनर्गठन जैसा महत्वपूर्ण विषय- दोनों संस्थाओं की सहभागिता से ही संभव है, परंतु दुर्भाग्यवश दोनों पक्षों द्वारा अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं किये जाने से हमें अब संघर्ष के लिए विवश होना पड़ रहा है। जोशी ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय की पूर्णपीठ द्वारा अनुमोदित पुर्नगठन प्रस्ताव को लागू करवाये जाने की कृपा करें जब तक जिला न्यायालयों में कार्यरत कर्मचारिंगण को पुनर्गठन का लाभ प्राप्त नहीं हो जाता हैं, तब तक आंदोलन/ धरना प्रर्दशन / अनिश्चितकालीन भूख हड़लात एवं सामुहिक अवकाश करते हुए आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। गौरतलब है कि कैडर पुनर्गठन नहीं होने तक जोशी आज से भूख हड़ताल पर रहेंगे।

छोटी-मोटी बीमारी में

बुखार है, बदन या दांत में तेज दर्द होने लगा या फिर लूज मोशंस। दूसरी स्थिति आज संडे है या फिर ऐसी जगह पर हों जहां डॉक्टर उपलब्ध न हो और फौरन ही दवा लेने की जरूरत हो। ऐसे में क्या करें? यहां पर कुछ ऑप्शंस दिए जा रहे हैं। सामान्य बीमारियों में अंग्रेजी दवाओं के आयुर्वेद, होम्योपैथी आदि में क्या-क्या विकल्प हो सकते हैं। **जागरूक जनता किसी भी दवा के उपयोग का दावा नहीं करता है।**

रात-बेरात अंग्रेजी दवाएं और उनके विकल्प

यह तब लागू...

- सामान्य परिस्थितितियों के लिए
- यहां जिन दवाओं के बारे में बताया गया है, ये सामान्य लोगों के लिए हैं।
- अगर कोई बीमार या गंभीर बीमार नहीं है, किसी को कोई एलर्जी या दूसरी परेशानी नहीं हो तब ही यहां बताए विकल्पों को चुनें।
- यहां फौरी इलाज यानी पहले दिन के लिए ऑप्शंस बताए गए हैं, उसी दिन या अगले दिन अपने डॉक्टर से जरूर मिलें।

यह तब लागू नहीं...

गंभीर या आपातकालीन स्थितियों के लिए:
- तेज बुखार (101 फारेनहाइट से ऊपर हो)
- बहुत ज्यादा दस्त या उल्टी के साथ डिहाइड्रेशन हो
- शरीर में कहीं से ब्लीडिंग हो
- हाई से जुड़ी परेशानियों में
- ऐसा इन्फेक्शन जिसमें ऐंटिबायोटिक की सख्त जरूरत हो
- बच्चा या बुजुर्ग या प्रेग्नेंट लेडी तो भी यहां बताए ऑप्शन को न चुनें।

सबसे जरूरी सलाह

यह कोई मेडिकल एडवाइस (चिकित्सा सलाह) नहीं है। सिर्फ इमरजेंसी में जब कोई डॉक्टर उपलब्ध न हो, रात हो तभी फौरी राहत के लिए ये दवाएं ले सकते हैं। लेकिन बाद में किसी डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

कितनी मात्रा में कौन-सी दवा लेनी है, यह नीचे बताया जा रहा है।

बीमारी	अंग्रेजी दवाएं	आयुर्वेदिक उपाय	होम्योपैथिक दवाएं	घरेलू नुस्खे
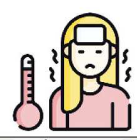 बुखार (101 F से कम)	**Paracetamol** - Crocin/ Calpol/ Dolo	संजीवनी वटी/ सुदर्शन क्वाथ/ मृत्युंजय रस	**Eupatorium Perfoliatum/ Ferrum Phos/ Bryonia Alba**	शरीर को बुखार में सबसे ज्यादा जरूरत आराम की होती है, इसलिए आराम जरूर करना चाहिए। 1 चम्मच अदरक का रस और 1 चम्मच शहद मिलाकर दिन में 2-3 बार लें। इसके अलावा 10-15 किशमिश रात को पानी में भिगो दें और सुबह मसलकर छान लें और पानी पी लें। इम्यूनिटी से लड़ने में मदद करती है।
सिरदर्द	**Aspirin**- Disprin/ Ibugesic	गोदंती भस्म/ पथ्यादि क्वाथ/ सूतशेखर रस/ शिरःशूलादि वज्र रस	**Belladonna/ Sanguinaria Canadensis/ Spigelia**	तुलसी (4 से 5 पत्ते), गिलोय (एक छोटा टुकड़ा करीब 3 से 4 इंच का) और पिप्पली चूर्ण (आधा से एक चुटकी) का काढ़ा। इसमें पीते समय शहद भी मिला सकते हैं।
मांसपेशियों और जोड़ों का दर्द	**Diclofenac Gel**- Volini/ Moov/ Dynapar Gel	संजीवनी वटी/ त्रिभुवनकीर्ति रस	**Rhus tox, Arnica Montana, Bryonia**	तिल का तेल या सरसों का तेल गुनगुना करें, उसमें 1-2 कपूर के टुकड़े मिलाकर जोड़ों और पूरे बदन पर धीरे-धीरे मालिश करें। इसे दिन में 2 से 3 बार करें। रात में सोते समय जरूर करें।
दांत दर्द	**Ibuprofen**- Brufen/ Ibugesic/ Advil/ Disprin/ Ketorol	संजीवनी वटी/ त्रिभुवनकीर्ति रस	**Plantago, Pulsatilla , Chamomilla, Mag phos**	दांतों की सफाई सही से होनी चाहिए। गर्म पानी में नमक डालकर कुल्ला और गरारे करने से फायदा होता है। इसके अलावा लौंग तेल लगाने से भी राहत मिलती है।
गैस, एसिड रिफ्लक्स अपच	**Antacids**- Digene/ Gelusil/ Eno/ Unienzyme/ PAN 40	हिंग्वाष्टक चूर्ण/ शंख वटी/ सूतशेखर रस/ गंधक/ चित्रकादि वटी	गैसः **Carbo Veg, Mag phos**, अपच-**Nux vomica**, उल्टी- **Ipecac**	अपच, गैस, एसिडिटी में जीरा/अजवाइन को एक कप पानी में उबालें और जब आधा कप रह जाए तो छानकर पी लें। इससे न सिर्फ अपच और उल्टी में फायदा होगा बल्कि खाने की इच्छा भी पैदा होगी। आधा चम्मच अजवाइन भी चबा सकते हैं।
लूज़ मोशंस और पेट दर्द	**Activated Charcoal**- Tablets CharcoCaps/ Norit	शंख वटी/ संजीवनी वटी/ आनंद भैरव	लूज मोशंस-**Aloe soc., Sulphur**, पेट दर्द- **Dioscorea, Mag phos**	खाने में बदलाव करना होगा। बासी खाने से बचना, सुपाच्य आहार लेना। मूंग की दाल, अच्छी तरह पके गीले चावल, दही-चावल खाना। आजकल बेल का शर्बत पीना फायदेमंद है। साबुत धनिये को एक कप पानी में उबालें और जब आधा कप रह जाए तो छानकर पी लें। ऐसा दिन में 2 से 3 बार करें।
उल्टी और मतली (कभी-कभी)	**Domperidone**- Domstal/ Vomikind/ Motilium/ Ondem	प्याज का एक चम्मच रस और उसमें एक चुटकी चीनी मिलाकर पीना	**Ipecacuanha, Nux Vomica, Arsenicum Album**	सौंफ चबाएं या पानी में उबालकर पानी पिएं। नीबू-पानी पिएं। साथ में **पेट दर्द** होने पर 2 चम्मच सौंफ या 4 तुलसी के पत्तों को एक कप पानी में उबालें और जब आधा कप बच जाए तो छानकर पीने से फायदा होगा।
कब्ज	**Lactulose Solution**- Duphalac/ Cremalax/ Lactulax	रात में गुनगुने पानी के साथ 1-2 चम्मच त्रिफला चूर्ण खाएं या खाने में घी	**Bryonia Alba, Alumina, Nux Vomica**	1-2 चम्मच ईसबगोल गुनगुने पानी या दूध के साथ रात को सोने से पहले लें या रात के खाने के बाद 1 कटोरी पका हुआ पपीता खाएं।
खांसी, सर्दी	**Diphenhydramine**- Benadryl/ Corex D/ Dristan	सितोपलादि चूर्ण (1 ग्राम शहद के साथ)/ तुलसी घनवटी (1-2 गोली दिन में गुनगुने पानी के साथ।)	सर्दी, जुकामः **Allium cepa, Aconite, Sabadilla, Hepar sulphur**, कफः **Bryonia, Spongia**	4-5 तुलसी के पत्ते, 1 टुकड़ा अदरक, 3-4 काली मिर्च, 1 छोटी इलायची को पानी में उबालें। थोड़ा गुड़ मिलाकर गर्म-गर्म पिएं। इसके अलावा रात को सोते समय 1 गिलास गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर पिएं या मुलेठी चूसें या मुलेठी का चूर्ण पानी के साथ लें। यहां इस बात का ध्यान रखें कि अगर किसी को गैस की समस्या है तो इस तरह के काढ़े से बचना चाहिए।
फंगल इन्फेक्शन	**Clotrimazole** Cream/Powder- Candid/ Canesten/ Fungicide	नीम घनवटी (1 गोली)/ त्रिफला चूर्ण/ नीम/ महामरीच्यादि/ अय्यपाल तेल से मालिश)	**Graphites, Natrum mur, Petroleum**	शुद्ध नारियल तेल दिन में 2-3 बार स्किन पर लगाएं जहां खुजली हो/ ताजा एलोवेरा के पत्ते का शुद्ध जेल लगाएं या बाजार का 100% शुद्ध एलोवेरा जेल/ थोड़ा हल्दी पाउडर पानी या नारियल तेल में मिलाकर पेस्ट बनाएं और जहां पर एक्जिमा है, वहां पर दिन में 3 से 4 बार लेप लगाएं। 2 चम्मच सरसों का तेल गर्म करें और उसमें 2-3 कपूर की गोलियां डालें। ठंडा हो जाए तो लेप लगाएं।
रैशेज या एलर्जी से स्किन पर जलन	**Calamine Lotion**- Caladryl/ LactoCalamine/ z Calosoft	हरिद्रा खण्ड/ आरोग्यवर्धिनी वटी लगाने से भी फायदा होता है।	**Rhus tox, Pulsatilla, Sulphur**	रैशेज (शरीर पर दाने या चकत्ते)- सूती और लूज़ कपड़े पहनें। गर्मियों में इस बाता का ध्यान जरूर रखना चाहिए। इसके अलावा दूध में हल्दी मिलाकर सेवन करें, नहाने के पानी में खाने वाला सोडा (1 बाल्टी पानी में 2 से 3 चम्मच) मिलाकर नहाएं।
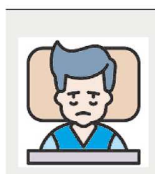 नींद न आना	अमूमन यह दवा डॉक्टर के पर्चे के बिना नहीं मिलती। **Melatonin** आदि दवाएं काम आती हैं।	1 चम्मच ब्राह्मी या शंखपुष्पी या अश्वगंधा चूर्ण को रात में 1 गिलास गुनगुने दूध के साथ लेना	**Kali phos, Coffea cruda, Passiflora incarnata**	भैंस के दूध से बनी चीजें खाएं, मसलनः खीर आदि। सोने से पहले एक चम्मच नमक मिले हुए गुनगुने पानी में अपने पंजों को 5 से 10 मिनट तक रखें। सरसों या नारियल तेल से पैरों की मालिश से अच्छी नींद आती है।
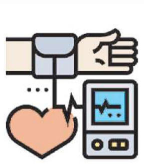 हाई बीपी	**Amlodipine/ Telmisartan**- Telma/ Atenolol/ Amlong/ Amlodac	सर्पगंधा वटी (नींद लाने और बीपी कम करने में उपयोगी)/ अश्वगंधा चूर्ण फायदा देगा।	**Rauwolfia Serpentina Q/ Crataegus Oxyacantha Q/ Lycopus**	हर रोज सुबह खाली पेट 1-2 कच्ची लहसुन की कलियां चबाएं/ रातभर भीगे 1 चम्मच मेथी के दाने सुबह खाली पेट खाएं। इससे बीपी कम होने लगता है, लेकिन जब यह अचानक हो तो अंग्रेजी दवा लेना ही सही है।
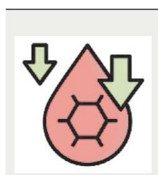 लो शुगर	शुगर लेवल 60-70 से नीचे तो 2-3 ग्लूकोज टेबलेट/1/2 ग्लास संतरा आदि का जूस/ 3 चम्मच चीनी	सिद्ध मकरध्वज रस या अश्वगंधा चूर्ण लेने से फायदा होगा।	**Phosphoric Acid/ Gelsemium/ Carbo veg/ Arsenicum Album**	गुड़, केला या खजूर खाना या फिर 1 गिलास मीठा नीबू पानी। अगर किसी शख्स को लो शुगर की परेशानी है तो वह अपने में पास कुछ टॉफी या चॉकलेट रखे और साथ में एक पर्ची जिस पर लो शुगर की जानकारी हो और ऐसे में क्या करना है।
कान दर्द	**Ciplox-D**- Ear Drops Ciprofloxacin + Dexamethasone/ Paracetamol Tab.	निर्गुंडी तेल, बिल्व तेल, दशमूल क्वाथ का उपयोग कर सकते हैं।	**Belladonna 30C/ Pulsatilla 30C/ Chamomilab30C**	सूती कपड़े में गरम पानी की बोतल लपेटकर कान के बाहर रखें, 2-3 बूंद तुलसी के पत्तों का रस कान में डाल सकते हैं। अगर कान से पस या गंध आ रही हो या इन्फेक्शन हो तो ऐसा न करें। फौरन ही अंग्रेजी डॉक्टर (ENT) से मिलें।

नेचरोपैथी उपाय

सिरदर्द, पेट दर्द, बुखार, लूज़ मोशंस, गैस आदि
प्राकृतिक चिकित्सा यानी नेचरोपैथी के अनुसार ऐसी परेशानियां शरीर में ज्यादा गंदगी जमा होने यानी डिटॉक्स न होने की वजह से होती है। इसलिए शरीर को डिटॉक्स करना जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले तो यह जरूरी है कि हम फास्टिंग करें। यह शरीर से गंदगी बाहर करने यानी डिटॉक्स करने का सबसे आसान तरीका है। जब हमें बुखार, खांसी, सर्दी आदि होती है तो अक्सर भूख खत्म हो जाती है। इसका मतलब यह है कि कुदरत कह रही है कि बीमार हो तो खाना कम करो या फिर फास्ट करो। जानवर भी जब बीमार होते हैं तो सबसे पहले अपना भोजन ही त्यागते हैं। फास्टिंग को 3 स्टेप्स में करना है।

1. जब तक भूख न लगे तो थोड़ा-थोड़ा पानी पीना है।
2. जब थोड़ा भूख लगे तो एक नारियल पानी या आधे से एक गिलास सफेद पेठे का रस पीना है।
3. पेट के ऊपर सूती कपड़े (2.5 मीटर लंबा और 1 मीटर चौड़ा) की गीली पट्टी को नाभि को केंद्र मानते हुए लपेटना है। इसे 30 मिनट के लिए रखना है। इसे दिन में 3 बार करना है। इससे जहां गैस बाहर निकल जाती है, वहीं सिर दर्द आदि में भी राहत मिलती है। बुखार भी कम हो जाएगा। ध्यान यह रखना है कि जब यह पट्टी पेट पर लगी हो तो उस दौरान भोजन नहीं करना।

कब्जः नॉन-वायलेंट एनीमा से फायदा होता है। ज्यादातर बीमारियों का संबंध हमारे पाचन तंत्र से होता है। कब्ज होना इसका एक सबूत है। इसमें नॉन-वायलेंट एनीमा कारगर है। इसे कैसे करना है, इसके लिए यू-ट्यूब पर सर्च कर सकते हैं। इससे 24 घंटे में आराम मिल जाता है।

बुखार के साथ सिर दर्दः एक सूती कपड़े का तौलिया भिगोकर सिर पर रखना चाहिए। इससे शरीर का ब्लड सर्कुलेशन सिर की ओर होने लगता है और बीमारी में फायदा होता है।

एक्जिमाः सुबह की कच्ची धूप जिसमें रोशनी तो हो, लेकिन गर्मी न हो (सुबह 6 से 8 बजे)। इसे शरीर के उस हिस्से पर लगाने से फायदा होता है जहां एक्जिमा हो। इसके अलावा कड़ी पत्ते और खीरे का रस लगाने से भी फायदा होता है। हां, ध्यान रहे कि इस दौरान एक्जिमा वाले हिस्से पर साबुन, शैंपू आदि का इस्तेमाल न करें

अनिद्राः सिर पर और पेट पर ठंडी पट्टी लपेटने से फायदा होता है। अगर सर्दी का मौसम है तो ठंडी पट्टी के ऊपर गर्म कपड़ा लपेटना चाहिए।

दांत दर्दः एक गिलास गुनगुना पानी और एक गिलास में घड़े का ठंडा पानी लें और बारी-बारी से मुंह में कुल्ला भरकर कुछ देर के लिए रखना है। घड़े का पानी जब मुंह में रखे हुए ठंडे से गर्म हो जाए, तब फेंकना है। ऐसा दिन में 2 से 3 बार करना है।

हाई बीपीः मिट्टी की पट्टी लगाएं। पेट और माथे पर गीली मिट्टी की पट्टी लगाने से शरीर का तापमान नियंत्रित होता है और बीपी धीरे-धीरे घटता है। सुबह खाली पेट 20-30 मिनट के लिए मिट्टी पट्टी लगाएं।

लो शुगरः ताजे मीठे फल जैसे केला, पपीता, आम का सेवन करें। अगग शुगल लो की स्थिति ज्यादा बुरी हो तो इन फलों का जूस भी पी सकते हैं। इससे शुगर का स्तर सही हो जाएगा।

कान दर्दः हर्बल स्टीम थेरपी यानी पुदीना, तुलसी या यूकेलिप्टस की भाप लेना या हल्का गर्म पानी से गरारा से फायदा।

आयुर्वेदिक दवाएं लेने का तरीका

आयुर्वेद में बीमारी होने की वजह तक पहुंचकर उसे दूर करने की कोशिश की जाती है। मसलनः अगर किसी को सिरदर्द है तो इसकी कई वजहें हो सकती हैं। उसे बुखार हो, वह 2 रातों से ठीक से सोया नहीं हो आदि। फिर आयुर्वेद में उसकी वजह को दूर करने की कोशिश होती है। अगर नींद पूरी नहीं हुई है तो उसे पहले नींद पूरी करने की सलाह दी जाती है। मान लें कि पिछली 2 रातों में उस शख्स ने सामान्य रूप से 5 घंटे कम नींद ली तो उसे 2.5 घंटे की ज्यादा नींद लेनी चाहिए। इसी तरह अगर सिरदर्द बुखार की वजह से है तो पहले बुखार का इलाज किया जाता है। दरअसल, आयुर्वेद में शख्स की प्रकृति देखकर ही दवा दी जाती है।
ऊपर कुछ सामान्य बीमारियों की औषधियों के बारे में बताया गया है। इन्हें विकल्पों की कमी की स्थिति में ही लें।

नोटः ऊपर बताई हुई आयुर्वेद की औषधि चूर्ण के रूप में भी ले सकते हैं, टैबलेट के रूप में भी और काढ़े के रूप में भी। ये बाजार में अलग-अलग ब्रैंड नामों से भी मिलती हैं। इन्हें किसी जानकार वैद्य से भी ले सकते हैं। नीचे इसकी मात्रा बताई गई है, लेकिन वैद्य से पूछकर लेना ही सही है।

कितनी मात्रा में

- चूर्ण की मात्रा 3-5 ग्राम ले सकते हैं, लेकिन मरीज की स्थिति और उम्र आदि को देखकर।
- वटी/गोलियों की मात्रा 1-2 गोलियां (सुबह-दोपहर-रात)
- क्वाथ/काढ़ा-10-15ml काढ़ा+एक कप सादा पानी सुबह से रात तक।

ऐसे लें होम्योपैथिक दवा

- होम्योपैथी मरीज की वर्तमान स्थिति से ज्यादा इतिहास खंगालने में यकीन करती है। अगर किसी वजह से किसी की पूर्व की समस्याओं या इतिहास पता न हो तो होम्योपैथी से इलाज कराना मुश्किल हो जाता है। इसलिए अमूमन मरीज को देखकर ही दवा दी जाती है। फिर भी इमरजेंसी की स्थिति में इन्हें ले सकते हैं।

कितनी मात्रा में: 30 पोटेंसी की दवा हर दिन 4-5 बूंद करके 4 से 5 बार लेना होता है।

अंग्रेजी दवाएं लेते वक्त इन बातों का जरूर रखें ध्यान

- ऊपर अंग्रेजी दवाओं के नाम के बाद सॉल्ट का नाम और कुछ ब्रैंड के नाम दिए गए हैं। ब्रैंड बदलने से इनके सॉल्ट के नाम में कुछ फर्क हो सकता है। मार्केट में ऊपर बताए हुए ब्रैंड के अलावा भी कई अच्छे ब्रैंड मौजूद हैं। यहां सिर्फ उदाहरण के लिए नाम दिए गए हैं।
- अगर कोई खिलाड़ी है और किसी खेल में करियर बना रहा हो तो उसे अपनी मर्जी से कोई भी दवा नहीं लेनी चाहिए। मुमकिन है कि उस दवा पर उस खेल के दौरान लेने पर रोक हो। इसलिए हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह से ही कोई दवा लें।
- यहां इस बात का भी ध्यान रखना है कि कई बार गलत दवा लेने से इन्फेक्शन खत्म नहीं होता, हां कुछ वक्त के लिए दब जाता है। मान लें किसी को फूड पॉइजनिंग की वजह से पेट में इन्फेक्शन हो गया है। ऐसे में लूज़ मोशंस को रोकने के लिए अगर दवा ले ली और ऐंटिबायोटिक नहीं ली तो लूज मोशंस रुक सकते हैं, लेकिन पेट में मौजूद बैक्टीरिया खत्म नहीं होता। इसलिए यहां जो दवाएं बताई जा रही हैं, वह तात्कालिक राहत के लिए हैं। राहत मिलने के फौरन बाद डॉक्टर से जरूर दिखाएं। सीधे कहें तो ये दवाएं सिर्फ लक्षणों से राहत के लिए बताई जा रही हैं। सिर्फ पहले दिन के लिए।
- ऊपर जो दवाओं के बारे में बताया गया है, उनमें से कई ऐसी दवाएं हैं जिनकी मात्रा मरीज की स्थिति के अनुसार डॉक्टर तय करते हैं। साथ ही, कई ऐसी दवाएं हैं जो अभी OTC दवाओं की लिस्ट में जोड़ी नहीं गई हैं, लेकिन आने वाले समय में इनके जुड़ने की संभावना है।

5. यहां दवाओं के जो विकल्प बताए गए हैं, वे सामान्य लोगों के लिए हैं। अगर कोई बच्चा है, बुजुर्ग या फिर उसे कोई गंभीर बीमारी है या गंभीर स्थिति तो उसे किसी भी हाल में डॉक्टर या हॉस्पिटल ले जाना ही सही होगा। यहां के विकल्पों को नहीं अपनाना है।

जागरूक खबरें

माधव विवि में 8 से 9 जनवरी तक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का होगा आयोजन

आबूरोड @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के तत्वावधान में 8 से 9 जनवरी 2026 तक इंटेलिजेंट इनफॉरमेशन सिस्टम डिजाइन एंड इंडियन नॉलेज सिस्टम एप्लीकेशन फॉर नेक्स्ट जेनरेशन पर दो दिवसीय बहु-अनुशासनात्मक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का मुख्य विषय इंटेलिजेंट इनफॉरमेशन सिस्टम है। फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस आयोजन की जानकारी विश्वविद्यालय के विभाग के अधिष्ठाता डॉ. प्रीणन बागची ने दी। उन्होने बताया कि यह सम्मेलन विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को एक वैश्विक मंच प्रदान करेगा, जहां वे समावेशी शिक्षा और ज्ञान प्रणाली के क्षेत्र में अपने विचारों और शोध को साझा करेंगे। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की विभागाध्यक्ष संगीता सिंह ने बताया कि इस सम्मेलन में देश-विदेश से प्रतिष्ठित शिक्षाविद, शोधकर्ता और छात्र हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन न केवल शैक्षिक और शोध समुदाय को जोड़ने का काम करेगा, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में समावेशन के महत्व को भी रेखांकित करेगा। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के सभी कर्मचारीगण मौजूद रहेंगे।

माधव विश्वविद्यालय में विधि विभाग द्वारा मूट कोर्ट प्रतियोगिता आयोजित

आबूरोड @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय में विधि विभाग के तत्वावधान में विधि विभाग के अधिष्ठाता डॉ. डी.के. उपाध्याय के निर्देशन में "मूट कोर्ट प्रतियोगिता 2025" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 7 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें 10 छात्र-छात्राओं ने विधिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में न्यायाधीश की भूमिका प्रोफेसर डॉ. विद्या शक्तावत एवं अधिवक्ता हितेन्द्र सिंह राठौर द्वारा की गई। प्रतियोगिता में दो प्रकार के मामलों आपराधिक एवं दीवानी पर वाद-विवाद हुआ। आपराधिक प्रकरण में प्रथम पुरस्कार प्रद्युम्न और रहीब हुसैन की टीम ने प्राप्त किया। वहीं अन्य प्रतिभागियों में दक्ष सैनी, गोपाल सुथार, निक्षित सोलंकी एवं कुसुम गुप्ता शामिल रहे। दीवानी प्रकरण में प्रथम पुरस्कार मिताली खंडेलवाल और रावल प्रियांशी की टीम को प्रदान किया गया। इनके अतिरिक्त दीवानी वाद में दिव्यांशी माथुर और उर्वी गुप्ता ने भी प्रतिभागिता निभाई। प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. दुष्यंत कुमार, डॉ. रोहिताश मीणा, डॉ.संदीप गहलोत, डॉ. सुरेंद्र मीणा, मानवेन्द्र राजपुरोहित और ल विनीता मीणा की देखरेख में हुआ। प्रतियोगिता के अंत में विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री का गुजरात दौराः अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही राज्य सरकार

विश्वभर में प्रवासी राजस्थानियों ने प्रदेश को किया गौरवान्वित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

वड़ोदरा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विश्वभर में राजस्थान के प्रवासी प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि के साथ-साथ मातृभूमि से भी जुड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे राजस्थान के प्रवासी विश्वभर में चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल सहित विभिन्न सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से आह्वान किया कि 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को पूरा करने में अपना अहम योगदान दें।

शर्मा गुजरात के वडोदरा में राजस्थानी समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान शक्ति और भक्ति की धरती है। इस भूमि पर महाराणा प्रताप, महाराजा सूरजमल, त्याग और तप की पर्याय पन्नाधाय, भक्ति की मूर्ति मीराबाई और पर्यावरण संरक्षिका मां अमृता देवी जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया, इन सभी के महान कार्यों से आज तक हम सभी प्रेरणा ले रहे हैं। समारोह के दौरान जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान में प्रवासियों का मिल रहा भरपूर सहयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत भामाशाहों और प्रवासी भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके तहत राज्य में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाने तथा भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा।

गुजरात तथा राजस्थान एक सिक्के के दो पहलू

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की पानी की जरूरत को प्राथमिकता देते हुए रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना सहित अन्य जल परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि गुजरात तथा राजस्थान दोनों राज्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। गुजरात की धरती पर महात्मा गांधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुष पैदा हुए, जिन्होंने देश की एकता और अखण्डता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए पिछले साल राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। इस समिट में लगभग 37 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है।

हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में पेपरलीक की घटनाओं के कारण युवाओं के साथ विश्वासघात हुआ। हमारी सरकार भर्ती परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता के साथ करवाने के साथ ही युवाओं को समय पर रोजगार उपलब्ध करवा रही है। हम 5 वर्ष में युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं तथा हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के लक्ष्य के साथ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है तथा हम संकल्प पत्र के प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नवचयनित आईएएस भूकर का मुख्यमंत्री ने किया अभिनंदन

रावतसर @ जागरूक जनता। बाड़मेर जिले के भियाड़ निवासी नवचयनित आईएएस सुखराम भूकर का राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने साफा पहनाकर स्वागत और अभिनन्दन किया और आईएएस बनने पर बधाई दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू भी मौजूद रहे।

जिला मेटल माइंस मजदूर संघ द्वारा आयोजित शिविर में 195 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौडगढ़। श्री सांवलिया जी राजकीय चिकित्सालय में ब्लड की कमी एवं मजदूर दिवस के अवसर पर जिला मेटल माइंस मजदूर संघ एवं एसएस एण्ड कंपनी द्वारा यूनियन आफिस चंदेरिया में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन राजकीय श्री सांवलिया चिकित्सालय एवं टीम जीवन दाता के सहयोग से किया गया। शिविर का शुभारंभ डिप्टी सीईओ स्मेल्टर एवं चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर के लोकेशन हेड मानस त्यागी एवं जिला मेटल माइंस मजदूर संघ के अध्यक्ष रणजीत सिंह भाटी, एसएस एण्ड कंपनी के साइट इंचार्ज अशोक कुमार, जिंक के लोकेशन एचआर हेड अनूप कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर मेटल माइंस मजदूर संघ के महामंत्री एस के मौड, महेन्द्र सिंह भाटी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवराज सिंह हाडा, शान्तिलाल शर्मा, कोषाध्यक्ष जीएनएस चौहान, उपाध्यक्ष लक्ष्मण सालवी सहित पदाधिकारी उपस्थित थे। कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में रक्तदान करने पहुंचे। लोकेशन हेड मानस त्यागी ने स्वयं रक्तदान कर सभी से

अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान के पुण्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आव्हान किया।

हिंदुस्तान जिंक के कर्मचारियों और व्यापारिक भागीदारों द्वारा कुल 195 यूनिट रक्तदान किया गया। महिला रक्तदाताओं,श्रमिको के परिजनों ने भी उत्साह से भाग लिया। शिविर में देवीलाल राठौड ने 52वीं बार एवं शोभालाल जाट ने 18वीं बार रक्तदान किया। इस अवसर पर पुष्पेंद्र मीणा, रविराज पुल्भाटला, सुदंर राज, बालचंद पाटीदार, डॉ संजीव मिश्रा, विकाश, सुरज प्रकाश, छोटू सिंह, वंशप्रदीप सिंह, अमित सुराणा, प्रियव्रत सिन्हा, राजेन्द्र शर्मा, दिलीप सिंह सिसोदिया, खुशवीर सिंह शक्तावत,अनिल अग्रवाल,एसएन खटीक, मेवा लाल खटीक, चंद्रपाल सिंह, विरेन्द्र सिंह, डाडम नागदा, कैलाश प्रजापत, जीवन नागदा, विरेन्द्र सिंह, विष्णु गांवरी, बलवंत सिंह,प्रहलाद गवारिया, रामविलास मीणा, नारायण सिंह राणावत, कान सिंह चौहान, समुंदर सिंह, संदीप सिंह, भुवनेश व्यास, गोविंद सेन, पुष्कर सेन, इशाद खान, चेतन सिंह, सोहनलाल, दीपक वैष्णव, शांतिलाल सालवी, प्रदीप पोरवाल, भेरू पुरबिया इंद्र सिंह भाटी, मोहन वैष्णव,गोपाल वैष्णव महिला रक्तदाता खुशबु चौधरी, किरण बोहरा, निरू भारद्वाज, भगवती पालीवाल रेनू बाला श्रृंगी उषा शर्मा सहित बडी संख्या में रक्तदाता, अधिकारी एवं श्रमिक उपस्थित थे। सांवलिया चिकित्सालय ब्लड बैंक के डा.रोहित कुमार धाकड़, सोहन लाल नायक, दिनेश साहू, संतोष प्रसाद, महेश कुमार, सीमा लोहार, भानू मंगल ने सेवाएं दी।

हर विस क्षेत्र में बनेगा 'विधायक जन सुनवाई केंद्र'

जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों में 60 लाख की लागत से बनेंगे केंद्र, राज्य में 20 करोड़ होंगे खर्च

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर सहित पूरे राज्य में जन समस्याओं को सुनने और समाधान करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। हर विधानसभा क्षेत्र में एक-एक 'विधायक जन सुनवाई केंद्र' का निर्माण किया जाएगा। जिले की छह विधानसभा क्षेत्रों में केंद्रों के निर्माण के लिए कवायद शुरू हो गई है। जिला परिषद ने सभी पंचायत समितियों के विकास अधिकारियों को सरकारी भूमि पर उपयुक्त स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं।

हर विधानसभा क्षेत्र के लिए दस-दस लाख रुपए

प्रत्येक केंद्र के निर्माण और सुविधाओं के विकास के लिए 10 लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी। जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 60 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। राज्य में 200 विधानसभा क्षेत्रों में केंद्रों के निर्माण पर 20 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी।

यूं काम करेगा जन सुनवाई केंद्र

जन सुविधा केंद्र पर लोग अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। सभी शिकायतें पंजीकृत होंगी और उनकी स्थिति ट्रैक की जा सकेगी। शिकायतें संबंधित विभाग को मूल्यांकन और जांच के लिए भेजी जाएंगी, जिसके बाद उचित निवारण होगा। केंद्र में शिकायत प्रक्रि या की जानकारी और सहायता डेस्क उपलब्ध होगा।

राज्य सरकार ने इन केंद्रों के संचालन के लिए विस्तृत गाइडलाइन तय की है। इनमें विधायक किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधियों का संचालन नहीं कर सकते हैं। केंद्र का उपयोग केवल जन सुनवाई और शिकायतों के निवारण के लिए ही होगा।
गिरधर, सीईओ, जिला परिषद

इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद में आई समस्या, न्याय के माध्यम से मिला समाधान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

केकड़ी। ऑनलाइन माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद खरीद कर उसका उपयोग करने के दौरान उत्पाद में समस्या आ जाने के कारण उपभोक्ता ने ऑनलाइन माध्यम से जब बार बार कंपनी को सूचित किया तो कंपनी के द्वारा समस्या का पूर्ण समाधान न करने पर केकड़ी निवासी मनोज शर्मा ने जरिए अधिवक्ता विजेंद्र पाराशर के इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद में समस्या का समाधान करने हेतु ऑनलाइन कंपनी को विधिक नोटिस भेजा। जिसके संबंध में मनोज शर्मा ने बताया कि उसने आज से लगभग 1 वर्ष पूर्व एक लैपटॉप ऑनलाइन माध्यम से क्रय किया था जिसमें प्रारंभ से ही कई प्रकार की समस्या आ रही थी इस हेतु परिवादी ने ऑनलाइन कंपनी के शिकायती विभाग को इसकी सूचना दी जिस पर कंपनी ने लैपटॉप को ठीक कर दिया लेकिन कुछ समय बाद वापस लैपटॉप खराब हो गया इस प्रकार की समस्या कई बार हुई तथा बार-बार कंपनी द्वारा लैपटॉप को ठीक कर दिया जाता लेकिन अंतत जब लैपटॉप वापस खराब हुआ है तो परिवादी ने परेशान होकर उपभोक्ता न्याय को ध्यान में रखते हुए अधिवक्ता विजेंद्र पाराशर से संपर्क किया जिस पर अधिवक्ता ने पूर्ण समाधान होने का आश्वासन देकर कंपनी को एक विधिक नोटिस भेजा जिस पर ऑनलाइन कंपनी ने तुरंत संज्ञान लेकर समाधान किया तथा परिवादी को लैपटॉप बाबत संपूर्ण राशि बैंक डीडी के माध्यम से प्रेषित कर दी।

माधव विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के छात्रों का मॉडर्न इंसुलेटर लिमिटेड में औद्योगिक भ्रमण

आबूरोड़ @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल एवं वाणिज्य प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मॉडर्न इंसुलेटर्स लिमिटेड, आबूरोड़ में औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस औद्योगिक भ्रमण के दौरान मॉडर्न इंसुलेटर्स के सुरक्षा प्रबन्धक नंद किशोर और गुणवत्ता नियंत्रण प्रभारी ठाकुर साहब ने छात्रों को इंसुलेटर निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मॉडर्न इंसुलेटर्स देश की सबसे बड़ी इंसुलेटर निर्माण कम्पनियों में से एक है। इसके अतिरिक्त, मॉडर्न इंसुलेटर्स लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीराम कुमार ने छात्रों के साथ कंपनी की कार्यप्रणाली, भविष्य की योजनाओं और कॅरियर निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की और उन्हें जानकारी दी। माधव विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. अतुल मिश्रा ने मॉडर्न इंसुलेटर के समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त करते हुए भ्रमण को सफल बनाने में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के प्रभारी डॉ. गंगा सिंह चौहान ने बताया कि छात्रों ने इस भ्रमण से कई महत्वपूर्ण बातें सीखी हैं, जो उनके भविष्य के करियर के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगी।

माधव होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में "विश्व होम्योपैथी दिवस" एवं "फ्रेशर्स ओडिसी" का भव्य आयोजन

आबूरोड़ @ जागरूक जनता। माधव विश्वविद्यालय के माधव होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन की 270वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर कॉलेज में फ्रेशर्स पार्टी "फ्रेशर्स ओडिसी" का भी भव्य आयोजन किया गया, जिसका थीम था "बॉलीवुड बैश"। कार्यक्रम का शुभारंभ अधिष्ठाता एवं प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार बेहेरा के भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने डॉ. हैनीमैन के जीवन, सिद्धांतों और होम्योपैथी चिकित्सा में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात एक विशेष केक कटिंग समारोह का आयोजन किया गया जिसमें रजिस्ट्रार डॉ भावेश कुमावत, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. डूंगर सिंह,परीक्षा नियंत्रक डॉ. मुकेश महावर, एकेडमिक अफेयर्स के अधिष्ठाता डॉ. महेंद्र परमार, हेडऑफ अकाउंट ऑफिस मुकेश सक्सेना, एनएसएस निदेशक डॉ. देवेंद्र मुझालदा सहित सभी विशिष्ट अतिथियों, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। "फ्रेशर्स ओडिसी" का आयोजन इंटर्न बैच सहित सभी वरिष्ठ बैचों द्वारा किया गया, जिसमें नवागंतुक छात्रों का जोशीले अंदाज़ में स्वागत किया गया। पार्टी में सोलो सिंगिंग, सोलो डांस, ग्रुप डांस, रैंप वॉक जैसी प्रस्तुतियाँ हुईं। इस दौरान आयोजित प्रतियोगिता में विश्वास वर्षा ने मिस्टर फ्रेशर, साक्षी देसाई मिस फ्रेशर, युगांत मिस्टर फ्रेशर, भगवती पटेल मिस फ्रेशर, आदित्य पुरी मिस्टर हैंडसम व शिवानी खीचड़ मिस ब्यूटी रही। कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

माधव यूनिवर्सिटी : गर्मी में बेजुबानों की प्यास बुझाने आगे आए युवा

आबूरोड़ @ जागरूक जनता। माधव यूनिवर्सिटी के स्काउट और गाइड रोवर-रेंजर ग्रुप द्वारा शुरू की गई मुहिम 'पानी का एक बर्तन, जीवन की एक उम्मीद' न सिर्फ बेजुबानों के लिए राहत बनी है, बल्कि समाज को संदेश भी दे रही है। अभियान के तहत छात्रों और कर्मचारियों से आह्वान किया गया कि वे घरों, छतों, गार्डनों और खुले स्थानों में पक्षियों और जानवरों के लिए पानी के बर्तन रखें। इस प्रयास ने जीवदया और सामाजिक जिम्मेदारी के नए मानक गढ़ दिए। इस अभियान में छात्र-छात्राएं, जिन्होंने अपने शिक्षकों के साथ मिलकर न सिर्फ भागीदारी निभाई बल्कि अन्य छात्रों को भी प्रेरित किया। विभागाध्यक्ष डॉ. घनश्याम कुशवाहा और शिक्षक मयंक अवस्थी, श्रेय खटक व अजय कश्यप ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर इस पहल को गहराई दी।

पाटूंदा में 165 वर्षों से हो रहा आयोजन

क्वींसलैंड विवि के कोर्स में पढ़ाई जा रही ढाई कड़ी की रामलीला

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बारां। कस्बे के नजदीक एक छोटा सा गांव पाटूंदा अपनी अनोखी रामलीला के लिए जाना जाता है। दरअसल हाड़ौती भाषा की ढाई कड़ी शैली में मंचन होने वाली यह रामलीला भारत के कई राज्यों में अपने अनोखे मंचन के कारण पुरस्कार प्राप्त कर चुकी है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी में इसे अध्याय के रूप में शामिल किया गया है। इस रामलीला की सबसे खास बात यह है की रामलीला को मंचन करने वाले कोई प्रोफेशनल कलाकार नहीं बल्कि गांव के ही आम नागरिक हैं। गांव के रंगमंच पर इस वर्ष भी ग्रामीणों द्वारा इस अनोखी रामलीला का मंचन किया जा रहा है।

ऐसे हुई शुरूआत

पाटूंदा के ही रहने वाले गणपत लाल दाधीच जब काशी से पढकर अपने गांव पहुंचे तब उन्होंने रामायण की चौपाइयों को संक्षिप्त रूप में संग्रहित कर हाड़ौती की ढाई कड़ी शैली में इस इसकी रचना की। इस रामलीला में रावण से लेकर राम तक और शत्रुघ्न से लेकर सुग्रीव तक बनने वाला हर व्यक्ति गांव का ही किसान या फिर सरकारी नौकरियों में अपनी सेवाएं दे रहा ग्रामीण है। गांव के 65 वर्ष के बुजुर्ग से लेकर 14 वर्ष के बच्चे तक इस रामलीला में अभिनय करते हैं । इन कलाकारों के श्रृंगार से लेकर वस्त्रों तक की डिजाइन भी यह ग्रामीण खुद ही करते हैं। बिना किसी अनुभवी और प्रोफेशनल कलाकारों की होने वाली रामलीला, देश भर में अपना लोहा मनवा चुकी है।

भारत सरकार ने भी किया प्रोत्साहित

भारत सरकार भी इस रामलीला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए अपने खर्च पर अयोध्या, दिल्ली, चित्रकूट, भोपाल जैसे राष्ट्रीय मंचों पर मंचन करवा चुकी है। यह रामलीला में गणेश वंदना, गुरु वंदना, लक्ष्मीनाथ भगवान की वंदना और अखाड़ा बंधन से प्रारंभ होती है। इस रामलीला में भारत माता की वंदना भी एक विशेष आकर्षण का केंद्र है। इसे सन 1945 के करीब आजादी के चल रहे संघर्ष के समय लोगों को जन जागृत करने के लिए जोड़ा गया था। इसकी रचना भी रामलीला के कलाकार एवं अध्यापक रहे जगन्नाथ शर्मा ने की थी, यह वंदना आज भी लगातार इस रामलीला में की जाती है । इस प्रसिद्ध रामलीला को राजस्थान के सामान्य ज्ञान की पुस्तकों में भी पढ़ाया जाता है ।

हो चुका है शोध

इस रामलीला पर ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड विश्वविद्यालय ने शोधपत्र जारी किया है। साथ ही सन 2018 से विश्वविद्यालय की हैंडबुक्स ऑफ फेस्टिवल में भी पाटूंदा की रामलीला पर आधारित एक अध्याय शामिल है।

चांदी का छत्र किया भेंट

रामलीला का रियासतकालीन महत्व इस से भी पता चलता है कि कोटा दरबार ने प्रोत्साहन स्वरूप 1950 में इस रामलीला को चांदी का छत्र भेंट किया था। चैत्र नवरात्रि की शुक्ल पंचमी से शुरू होकर यह रामलीला कृष्ण पक्ष की पंचमी तक आयोजित की जाती है। जहां इस रामलीला आयोजन से पूर्व शोभायात्रा भी निकाली जाती है, यह भी आकर्षण का केंद्र रहती है । रामलीला के दौरान देशभर के कई इतिहासकार भी यहां इस मंचन को देखने पहुंचते हैं।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

भजनलाल ने केवड़ियां में सांसद-विधायक प्रशिक्षण वर्ग में जनप्रतिनिधियों को किया संबोधित

केवड़ियां/जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुजरात के केवड़ियां में राजस्थान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद-विधायक प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय दिवस के पंचम सत्र में मंगलवार को 'राइजिंग राजस्थान-अवसर एवं चुनौतियां' विषय पर मौजूद जनप्रतिनिधियों को संबोधित किया। शर्मा ने जनप्रतिनिधियों से राज्य के समग्र विकास में सक्रिय भागीदारी, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनता के प्रति अपने संवैधानिक दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया। इस दौरान राज्य में निवेश आकर्षित करने की रणनीतियों, औद्योगिक विकास की संभावनाओं एवं रोजगार सृजन के नवीन अवसरों पर विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा के दौरान राज्य में निवेश आकर्षित करने की रणनीतियों, औद्योगिक विकास की संभावनाओं व रोजगार सृजन के नवीन अवसरों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही उपस्थित जनप्रतिनिधियों से राज्य के समग्र विकास में सक्रिय भागीदारी, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन व जनता के प्रति अपने संवैधानिक दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया।

नवीकरणीय ऊर्जा के क्षितिज पर चमकता राजस्थान का सूरज

कुसुम योजना में 1 हजार मेगावाट ऊर्जा उत्पादन क्षमता का बनाया नया कीर्तिमान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सौर ऊर्जा क्रांति का साक्षी बनता राजस्थान

1 लाख 70 हजार से अधिक किसानों को दिन में मिलने लगी बिजली

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सूरज भले ही हर दिन पूरब से उदित होता हो लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सौर ऊर्जा का सूर्य निश्चित तौर पर देश के पश्चिमी राज्य राजस्थान में चमक रहा है। सूर्य भगवान की विशेष कृपा से प्रदेश की सुनहरी रेतीली धरती में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, जिनके दोहन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहले दिन से ही निरंतर प्रयासरत हैं। राजस्थान को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य की दिशा में पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से एक बड़ी कामयाबी मिली है तथा राजस्थान ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है जहां इस योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के अन्तर्गत सौर ऊर्जा उत्पादन 1 हजार मेगावाट से अधिक हो गया है। सौर ऊर्जा का उपयोग कर किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति की दिशा में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है जिससे आज प्रदेश में 1 लाख 70 हजार से अधिक किसानों को दिन में बिजली सुलभ होने लगी है। पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के तहत ही 560 ग्रिड कनेक्टेड विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर 70 हजार से अधिक कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली दी जा रही है। वहीं इस योजना के कम्पोनेंट-बी में लगभग 1 लाख किसानों के कृषि पम्पों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा चुका है। राज्य द्वारा योजना के सफल क्रियान्वयन को देखते हुए भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुसुम-ए में दो बार में कुल 6 हजार मेगावाट क्षमता के संयंत्रों के अतिरिक्त आवंटन को स्वीकृति दी है तथा कम्पोनेंट-सी में 2 लाख सोलर पम्पों का अतिरिक्त आवंटन किया है। इस प्रकार इस योजना में प्रदेश में लगभग 12 हजार मेगावाट क्षमता के प्लांट स्थापित किए जाने का लक्ष्य रख कार्य किया जा रहा है।

हर दिन ग्रिड से जुड़ रहा एक नया सौर ऊर्जा संयंत्र

पूर्ववर्ती सरकार के अंतिम तीन सालों में जहां केवल 92 प्लांट ही स्थापित किए जा सके थे। वहीं आज प्रदेश में कम्पोनेंट-सी में लगभग हर दिन औसतन एक नया सौर ऊर्जा संयंत्र ग्रिड से जुड़ रहा है। बीते 6 माह में प्लांटों के क्रियाशील होने की गति में और तेजी आई है। इस अवधि में कम्पोनेंट-ए में 183 मेगावाट क्षमता के 134 तथा कम्पोनेंट-सी में 514 मेगावाट क्षमता के 196 प्लांट स्थापित हुए हैं। यह प्रगति इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि जबसे यह योजना प्रारंभ हुई उसके बाद से ऊर्जा उत्पादन में प्रतिदिन औसतन चार से पांच मेगावाट क्षमता की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो रही है।

ऊर्जादाता भी बन रहे किसान

योजना के तहत यह प्लांट मुख्यत: राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हो रहे हैं जहां कृषि कनेक्शन अधिक संख्या में हैं। खेत के समीप भूमि पर लग रहे अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता तक के इन सौर ऊर्जा संयंत्रों से किसानों को खेती से जुड़े कार्यों के लिए दिन में बिजली सुलभ होने लगी है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता के एक नए युग की शुरूआत हुई है। अपनी भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर किसान अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता भी बन रहे हैं जिससे उन्हें आमदनी का एक अतिरिक्त जरिया भी मिला है। योजना में फीडर लेवल सोलराइजेशन के अन्तर्गत 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशन के लगभग 5 किलोमीटर के दायरे में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाने का प्रावधान है। कंपोनेंट-ए में अधिकतम 2 मेगावाट क्षमता तक तथा कंपोनेंट-सी में अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता तक के ग्रिड कनेक्टेड सोलर प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं।

प्रस्तावित मॉक ड्रिल तैयारियों की सीएस ने की समीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वर्तमान परिदृश्य में राज्य में नागरिक सुरक्षा सुदृढ़ीकरण एवं क्रियाशीलता के आकलन हेतु केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों की पालना में मंगलवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में राज्य के समस्त संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक एवं सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों की वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। सचिवालय में आयोजित बैठक में बुधवार, 7 मई को प्रस्तावित मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट हेतु संबंधित जिलों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि सभी संचार माध्यमों एवं सायरनो को तुरंत दुरुस्त किया जाकर संचार प्रणाली का सुदृढीकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में गृह एवं आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा, जल संसाधन एवं पीएचईडी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व स्वायत्त शासन विभागों के प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा एवं उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा विभागों के शासन सचिव, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव, पुलिस महानिदेशक राजस्थान, महानिदेशक इन्टेलिजेन्स, महानिदेशक गृह रक्षा, प्रबंध निदेशक, जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड़, प्रबंधक, उ.प. रेलवे जयपुर, कमाण्डेंट, राज्य आपदा प्रतिसाद दल, ग्रुप कैप्टन, एयर फोर्स स्टेशन, महाप्रबंधक, भारत संचार निगम लिमिटेड, कमाण्डेंट छठी बटालियन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, एनसीसी निदेशक, जयपुर एयरपोर्ट निदेशक इत्यादि अधिकारीगण उपस्थित थे।

केन्द्र सरकार ऑनलाईन ट्रेड के लिये कानून बनाकर ट्रेड को व्यवस्थित करें-गुप्ता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। तमिलनाडू वेनिगर सनगनकालीन पेरावई एसोसिएशन द्वारा आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि केन्द्र सरकार ऑनलाईन ट्रेड तथा मेट्रो ट्रेड को व्यवस्थित करने के लिये कानून बनायें, ताकि भारतभर के बाजारों मे बैठे व्यापारियों के व्यापार सुरक्षित रह सके। समारोह की अध्यक्षता सांसद वाईको मुरुगन ने की तथा विधायक वेलमुरुगन व तिरिमुरुगन गांधी तथा सांसद तोल तिरुमालवन व वल्लवन उपस्थित रहे। तमिलनाडू वेनिगर सनगनकालीन पेरावई एसोसिएशन के अध्यक्ष सौंदर्यराजन, महामंत्री वी. वेलियन, कोषाध्यक्ष पी. मोहम्मद तथा इनकी कार्यकारिणी के सभी सदस्य, बीयूवीएम के वरिष्ठ महामंत्री मुकुन्द मिश्रा, बीयूवीएम के संगठन मंत्री सुनील पाण्डे और कल्याणाराम सीरवी व अल्बर्ट ने समारोह में उपस्थित दर्ज की। समारोह में 52 जिलों के 8 हजार व्यापारियों ने शिरकत की। समारोह में सभी वक्ताओं ने जीएसटी की केवल दो दरें 5 व 8 प्रतिशत रखने, जीएसटी प्रक्रिया में आ रही विसंगतियों को सरल बनाने, अनावश्यक छापेमारी कर व्यापारी को चोर ठहराने की व्यवस्था को समाप्त करने, अधिकारियों द्वारा व्यापारियों को अनावश्यक नोटिस भेजकर दफ्तरों में उपस्थित होने की व्यवस्था बन्द करने, एमएसएमई कानून को पुनः सुधारा जायें।

सेवा भारतीय समिति की ओर से सर्व समाज का समूह विवाह आयोजित

एक ही पांडाल में 54 जोड़ा का पाणिग्रहण संस्कार सम्पन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सेवा भारती समिति की ओर से जानकी नवमी पर अम्बावाड़ी स्थित उच्च माध्यमिक बालिका आदर्श विद्या मंदिर में सर्वजातीय चतुर्दशम सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न हुआ। घर जैसे माहौल में एक ही मंडप में सोलह समाजों के 54 जोड़ों ने एक दूसरे को जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया। इनमें दस अंतर्जातीय जोड़े भी थे। एक वधू के माता-पिता दोनों ही नहीं थे। उनके विवाह का संपूर्ण दायित्व सेवा भारती ने निभाया। पंडितों ने वैदिक विधि से पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया। सेवा भारती के सदस्य ऐसे उत्साहित थे जैसे कि घर में विवाह हो रहा हो। सेवा भारती की महिलाएं एक ही रंग की साड़ी पहने नजर आई और फेरों से पूर्व की रस्में करवाई। सोलह श्रृंगार कर बरी के बेस में दुल्हनों ने अपने-अपने दूल्हे राजा के संग फेरे लिए। इस दौरान सामाजिक समरसता की मिसाल देखने को मिली। सालासर बालाजी मंदिर के विष्णु पुजारी, गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा के मनु महाराज, महंत हरिशंकरदास वेदांती, अकिंचन महाराज सहित अनेक संतों-महंतों ने दलित दूल्हों के पैर धोए। भावपूर्ण दृश्य देखकर वर-वधु के परिजनों की आंखे सजल हो उठी। इससे पूर्व गाजेबाजे और लवाजमे के साथ विद्याधर महादेव मंदिर से बारात रवाना हुई। सभी 54 दूल्हे सजधज कर अलग-अलग घोड़ी पर बैठ कर विवाह स्थल पहुंचे और तोरण मारा। तोरण की रस्म के बाद स्टेज पर वरमाला कराई गई।

उपहार इतने टैंपों पड़ गए छोटे

समिति की ओर से दूल्हा-दुल्हन को अपने जीवन की नई शुरुआत करने के लिए अनेक सामान उपहार स्वरूप दिए गए। इसमें सोने-चांदी के आभूषणबैड, अलमारी, पंखा, सिलाई मशीन, बक्सा, बर्तन, कपड़े सहित करीब दो दर्जन आयटम थे। सीतारामजी तस्वीर, तुलसी का पौधा, तुलसी माला, पुस्तक भी उपहार स्वरूप दी गई। इतना अधिक सामान के आगे लोडिंग वाहन भी छोटा पड़ गया। आनन फानन में बड़े लोडिंग वाहन मंगवाने पड़े।

'प्रताप' की स्वर्णिम आभा में एम.पी.यू.ए.टी. की हैट्रिक

प्रताप की अश्वगंधा-1, ईसबगोल-1, असालिया-1 अधिसूचित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

PRATAP ASALIA-1 (ULS-15) SEED

PRATAP ISABGOL-1 (UI-124)

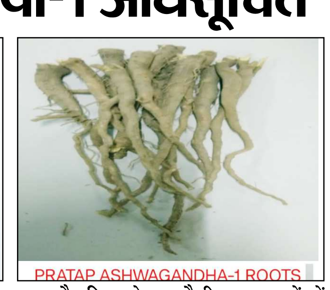
PRATAP ASHWAGANDHA-1 ROOTS

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने एक बड़ा कीर्तिमान रचते हुए औषधीय फसलों की तीन किस्मों क्रमशः प्रताप अश्वगंधा-1, प्रताप ईसबगोल-1 और प्रताप असालिया (आलिया)-1 को राजस्थान राज्य के लिए अधिसूचित करा हैट्रिक बनाने में कामयाबी हासिल की है। देश में किसी भी कृषि विश्वविद्यालय में अनुसंधान परियोजना का यह पहला अवसर है जब एक साथ तीन किस्मों को अधिसूचित किया गया है। इससे राज्य के कृषक अब सुनियोजित तरीके से इन फसलों की वृहद खेती कर सकेंगे। एम.पी.यू.ए.टी. के अनुसंधान निदेशक डॉ. अरविन्द वर्मा ने बताया कि राज्य के कृषक सदियों से औषधीय महत्व से परिपूर्ण ईसबगोल, अश्वगंधा और असालिया की खेती करते रहे हैं, लेकिन लंबे अनुसंधान के बाद इनकी किस्मों के अधिसूचित होने से किसानों को फायदा होगा। नई दिल्ली में हाल ही आईसीएआर उपमहानिदेशक (बागवानी विज्ञान) डॉ. संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में बागवानी फसल मानकों, अधिसूचना और किस्मों के विमोचन संबंधी केंद्रीय उपसमिति की 32वीं बैठक में तीनों किस्मों को अधिसूचित की गई और इन्हें राजस्थान राज्य के लिए मुफीद माना गया।

किस्मों के औषधीय गुण

अखिल भारतीय समन्वित औषधीय एवं सुगंधित पादप अनुसंधान परियोजना के प्रभारी एवं प्रजनक डॉ. अमित दाधीच ने प्रताप के नाम पर विकसित ईसबगोल, अश्वगंधा और असालिया (आलिया) किस्मों के बारे में जानकारी दी।

प्रताप ईसबगोल-1 - औसत बीज उपज 1207 किलोग्राम/हेक्टेयर है। इस किस्म की परिपक्वता 115 दिन है, जो अन्य किस्मों की तुलना में पहले है। यह प्रमुख रोगों के विरुद्ध बहु रोग प्रतिरोधक क्षमता दर्शाती है। ईसबगोल में कई औषधीय गुण होते हैं जो विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं में राहत प्रदान करते हैं। यह कब्ज, दस्त, पेचिश, मोटापा, डायबिटीज और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं में फायदेमंद होता है।

प्रताप अश्वगंधा-1- राजस्थान से विकसित और अधिसूचित पहली किस्म है। प्रताप अश्वगंधा-1 की औसत शुष्क जड़ उपज 421 किग्रा/हेक्टेयर है। यह तनाव, थकान, और पर्यावरणीय बदलावों से लड़ने की ताकत देता है। यह नींद, ताकत, व मानसिक शांति के लिए प्रसिद्ध है।

प्रताप असालिया (आलिया)-1- औसत बीज उपज 2028 किग्रा/हेक्टेयर है। इस किस्म की परिपक्वता 111 दिन है, जो अन्य किस्मों की तुलना में पहले है। चन्द्रसूर (असालिया) आलिया फसल की खेती कम लागत, कम सिंचाई तथा कम संसाधनों में रबी के मौसम में की जा सकती है।

शिविर में श्रमिकों को जारी हुए ई-श्रम कार्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर-प्रथम व द्वितीय के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को हीरापुरा चौराहा 200 फीट बाईपास स्थित मजदूर चौखटी पर सामूहिक पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। श्रम विभाग, कॉमन सर्विस सेन्टर, ट्रेड यूनियन, एक्शन एड तथा आजीविका एनजीओ के सहयोग एवं समन्वय से आयोजित शिविर में 63 श्रमिकों का मौके पर ही ऑनलाईन ई-श्रम कार्ड जारी किया गया, साथ ही 65 श्रमिक कार्ड फार्म भरवाए गए एवं 200 से अधिक श्रमिक हाजिरी डायरी वितरित की गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला के सचिव पवन कुमार जीनवाल तथा दीपेन्द्र माथुर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर प्रथम ने चौखटी पर उपस्थित श्रमिकों को उनके विधिक अधिकारों, श्रम विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। जीनवाल ने यह भी बताया कि जो श्रमिक शिविर में ऑनलाइन पंजीकरण से वंचित रह जाएंगे, उनके लिए बुधवार को विश्वकर्मा रोड नम्बर 14 सीकर रोड स्थित मजदूर चौखटी तथा 8 मई को इंडिया गेट सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मजदूर चौखटी पर भी ऑनलाइन पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। पंजीकरण हेतु श्रमिकों को आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा मोबाइल साथ लेकर मौके पर आना होगा। शिविर में श्रमिकों को श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे निर्माण श्रमिक शिक्षा एवं कौशल विकास योजना, निर्माण श्रमिक जीवन व भविष्य सुरक्षा योजना, सिलिकोसिस पीड़ित हिताधिकारियों हेतु सहायता योजना, हिताधिकारी की सामान्य अथवा दुर्घटना में मृत्यु या घायल होने की दशा में सहायता योजना, प्रसूति सहायता योजना, शुभशक्ति योजना, निर्माण श्रमिक सुलभ्य आवास योजना, निर्माण श्रमिक औजार /टूलकिट सहायता योजना, निर्माण श्रमिक एवं उनके आश्रित बच्चो द्वारा भारतीय/राजस्थान प्रशासनिक सेवा हेतु आयोजित प्रारम्भिक प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर प्रोत्साहन योजना एवं अन्य योजनाओं की विस्तुत जानकारी प्रदान की जाएगी।

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
विश्वसनीय समाचार पत्र

जी हाँ, यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।

जो दिखेगा वही बिकेगा

आज ही बुक करें विज्ञापन

आपके व्यापार की तरक्की जागरूक जनता के साथ

विज्ञापन | क्लासीफाइड | डिस्पले | प्रॉपर्टी | वैवाहिक

विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070